दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 293/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

भोपाल, बुधवार 04 जून 2025 भोपाल से प्रकाशित | संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल | ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14 | dainiksandhyaprakash.in

रेपो रेट में 0.25% की कटौती कर सकता है RBI:इससे लोन लेना सस्ता हो जाएगा

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी मीटिंग आज यानी 4 जून से शुरू हो गई है। एक्सपर्ट्स के अनुसार मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी इस बार भी रेपो रेट में 0.25% कटौती कर सकती है। यानी, आने वाले दिनों में लोन सस्ते हो सकते हैं। 6 जून को सुबह 10 बजे RBI गवर्नर संजय मल्होत्रा इस मीटिंग में लिए गए फैसलों की जानकारी देंगे।

मोदी मंत्रिपरिषद की बैठक में हो सकते हैं कई बड़े फैसले

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली मंत्रिपरिषद की आज बैठक होनी है. ऑपरेशन सिंदूर के बाद मोदी कैबिनेट की यह पहली बैठक है. मोदी मंत्रिपरिषद की मीटिंग शाम पांच बजे से सुषमा स्वराज भवन में होगी, जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे. इस बैठक में सभी

मंत्रियों को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी. मोदी मंत्रिपरिषद की इस मीटिंग में कई बड़े फैसले हो सकते हैं. यह बैठक ऐसे समय हो रही है, जब मोदी सरकार 3.0 के लिए आए जनादेश के एक साल पूरे हो रहे हैं. मोदी सरकार के 11 साल पूरे हो रहे हैं. इस कैबिनेट मीटिंग में मोदी सरकार की उपलब्धियों की चर्चा होगी और कुछ मंत्रालयों की ओर से अपने कामकाज के बारे में प्रेजेंटेशन भी दिया जाएगा. जल शक्ति मंत्रालय के साथ ही कुछ अन्य मंत्रालय भी अपने कामकाज को लेकर प्रेजेंटेशन के जरिये मंत्रिपरिषद को जानकारी देंगे. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी मंत्रालयों को यह निर्देश दिया है कि पिछले 11 साल की उपलब्धियों को जनता के बीच ले जाया जाए.

पीएम मोदी, अमित शाह, जेपी नड्डा ने की ताबड़तोड़ बैठकें

जस्टिस यशवंत वर्मा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। केंद्र सरकार जस्टिस वर्मा के खिलाफ संसद के अगले सत्र में महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी में है और राजनीतिक सहमति बनाने की दिशा में प्रयास शुरू कर दिए हैं। मंगलवार का दिन राष्ट्रीय राजधानी में हलचल भरा रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर गृह मंत्री अमित शाह, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और राज्यसभा में नेता सदन जेपी नड्डा के बीच अलग-अलग बैठकें हुईं और लंबा मंथन चला। बाद में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के साथ भी मंथन हुआ। दरअसल, जस्टिस यशवंत वर्मा से जुड़ा मामला 14 मार्च 2025 की रात उस समय सुर्खियों में आया, जब दिल्ली स्थित उनके सरकारी आवास में आग लगने की घटना हुई और उसके बाद वहां कई बोरियों में भरी नकदी देखी गई. इसमें कुछ जल चुकी थी। 22 मार्च को तत्कालीन सीजेआई संजीव खन्ना ने जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेठी गठित की। इसमें पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस शील नागू, हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस जीएस संधावालिया और कर्नाटक हाईकोर्ट के जज अनु शिवरामन शामिल थे।

मुख्यमंत्री ने दिव्यांगों को स्मार्टफोन तथा मोटराइज्ड साइकिलें दी
सीएम ने दिव्यांगजनों का बढ़ाया 2 प्रतिशत आरक्षण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने दिव्यांगजन को नियुक्ति पत्र तथा अन्य हितलाभ वितरण कार्यक्रम का पंडित खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान के सभागार में दीप प्रज्वलितकर किया शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ यादव तथा अतिथिगण को तुलसी का पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के आज ही के दिन जन्मदिवस होने पर उनको शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कहा है कि दिव्यांगजन अपनी क्षमता, योग्यता, संघर्षशीलता और सकारात्मक के आधार पर समाज में अपना स्थान बनाते हैं। यह आत्मविश्वास ही उन्हें विशेष पहचान देता है। मध्यप्रदेश के भोपाल में आज सीएम यादव ने दिव्यांगजनों को बड़ा तोहफा दिया है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने दिव्यांगजनों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में बड़ी घोषणा करते हुए आरक्षण बढ़ाने की बात कही है। उन्होंने 2 प्रतिशत आरक्षण बढ़ाने जाने का ऐलान कर दिया है।

सीएम मोहन ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरकार कोई कमी नहीं रहने देंगे। हर तरह की मदद करने के लिए तैयार हैं। ये परमात्मा की लीला है। लेकिन हमें इस अवसर को और अधिक बेहतर बढ़ाना है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पंडित खुशी लाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान के सभागार में दिव्यांगजन को नियुक्ति पत्र तथा अन्य हितलाभ वितरित किए। इस दौरान उन्होंने इसकी घोषणा की।

राज्य सरकार उन्हें हर स्तर पर प्रोत्साहित करने और सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने दिव्यांगजन को नियुक्ति पत्र, स्मार्टफोन तथा मोटराइज्ड साइकिलें प्रदान कीं। दिव्यांग अधिकार अधिनियम 2016 की ब्रेल लिपि में विकसित पुस्तक का विमोचन किया। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय मंत्री श्नारायण सिंह कुशवाह, भोपाल महापौर मालती राय तथा विधायक भगवान दास सबनानी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

राहुल गांधी खुद अपनी इज्जत खराब करते हैं: सीएम यादव

भोपाल। प्रधानमंत्री मोदी को लेकर उन्होंने जो बयान दिया है वह घोर निंदनीय, अपने बयान के लिए राहुल गांधी को माफी मांगना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि राहुल गांधी के व्यवहार और रवैये से पता चलता है कि वे अभी परिपक्व नहीं हुए हैं।÷.इसलिए उन्हें पप्पू कहा जाता है.. यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्ष के नेता जिस तरह से मर्यादा को ताक पर रखकर बोल रहे हैं। इससे न केवल उनकी प्रतिष्ठा धूमिल हो रही है, और अपनी इज्जत भी खराब करते है। बल्कि हमारे देश की संस्कृति के भी खिलाफ जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा राहुल गांधी ने जो शब्द इस्तेमाल किए हैं, वे उनकी तुच्छता को दर्शाते हैं। मैं उनकी कड़ी निंदा करता हूं।

सड़क दुर्घटना में चार बच्चों समेत दो परिवार में नौ मौतें

झाबुआ। जिले में मंगलवार देर रात भीषण हादसा हो गया। थांदला-झाबुआ मार्ग पर ईको कार पर ट्राले के पलटने से दो परिवारों के नौ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इनमें चार बच्चे, तीन महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। भीषण हादसे में एक महिला और एक बच्ची बुरी तरह घायल हो गई। दोनों को गंभीर हालत में इलाज

के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कार सवार सभी लोग झाबुआ के भावपुरा गांव में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। सजेली रेलवे फाटक, निर्माणाधीन पुल के पास उनकी ईको कार को एक ट्राले ने अपनी चपेट में ले लिया। ट्राला कार पर पलट गया, जिससे कार उसके नीचे बुरी तरह दब गई। इससे कार में सवार कुल 11 लोगों में से नौ की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए।

सबके साथ आगे बढ़ता
जनजातीय समाज

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

राज्य स्तरीय
पेसा महासम्मेलन

मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

4 जून 2025 । अपराह्न 1:00 बजे
पाली ब्लॉक, जिला उमरिया

पेसा अधिनियम के माध्यम से पूर्ण हो रहा है
पंचायती राज संस्थाओं एवं आदिवासी क्षेत्रों की
ग्राम सभाओं के सशक्तिकरण का उद्देश्य

- गांव की जमीन और वन क्षेत्र के दस्तावेज बिना तहसील कार्यालय जाये सीधे पटवारी और बीटगार्ड से हो रहे हैं प्राप्त
- भू-अर्जन, खनिज सर्वे, पट्टा और नीलामी हेतु अनिवार्य है ग्राम सभा की सहमति और अनुशंसा
- लघु वनोपज एवं तेंदूपत्ता के संग्रहण और विपणन का अधिकार मिलने से अब जनजातीय समुदाय स्वयं तय करता है अपनी लघु वनोपज का मूल्य
- जलाशयों में मछली पालन एवं सिंघाड़ा उत्पादन का अधिकार मिलने से आमदनी में हो रही है वृद्धि
- सार्वजनिक स्थानों पर शराब को प्रतिबंधित करने एवं अवैध बिक्री रोकने का अधिकार अब ग्राम सभा के पास
- गलत तरीके से आदिवासियों की जमीन खरीदने या कब्जा करने पर ग्राम सभा का हस्तक्षेप । नहीं हो सकता अब उनके साथ छल-कपट

D11037/25

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025 | सीधा प्रसारण | webcast.gov.in/mp/cmevents | @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh | @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP | JansamparkMP | मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

जेईई एडवांस्ड 2025 में अनअकैडमी के छात्रों की शानदार सफलता

भोपाल। देश की सबसे चुनौतीपूर्ण परीक्षाओं में से एक, जेईई एडवांस्ड 2025 का परिणाम आ चुका है, और इस बार अनअकैडमी ने सफलता की एक नई कहानी लिखी है। इस साल अनअकैडमी के 4129 से ज्यादा छात्रों ने जेईई एडवांस्ड में सफलता हासिल की है, जो यह साबित करता है कि सही गाइडेंस, मेहनत और तकनीक के साथ कोई भी लक्ष्य पाया जा सकता है। इस मौके पर अनअकैडमी के को-फाउंडर सुमित जैन ने सभी सफल छात्रों को बधाई देते हुए कहा हमारे लिए यह बहुत खुशी की बात है कि इतनी बड़ी संख्या में हमारे छात्रों ने जेईई एडवांस्ड 2025 में शानदार प्रदर्शन किया है। हम उज्जवल केसरी सहित सभी छात्रों को दिल से बधाई देते हैं। यह सिर्फ छात्रों की मेहनत का नहीं, बल्कि हमारे सभी शिक्षकों और पूरी टीम के दिन-रात के प्रयासों का नतीजा है। हम आगे भी इसी जुनून और समर्पण के साथ छात्रों की मदद करते रहेंगे, ताकि वे अपने सपनों को हकीकत बना सकें।18 छात्र टॉप 100, 787 छात्र टॉप 5000, और 2205 छात्र टॉप 15000 रैंक में आए हैं। यह संख्या सिर्फ आंकड़े नहीं हैं, बल्कि हज़ारों सपनों के पूरे होने की कहानी है।अनअकैडमी अपने छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ मजबूत सपोर्ट सिस्टम भी देता है। यहां छात्रों को डिजिटल क्लासरूम, 1ः1 डाउट सॉल्विंग, एक्सपर्ट काउंसलिंग और पर्सनल गाइडेंस जैसी सुविधाएं मिलती हैं, जो उन्हें बेहतर ढंग से तैयारी करने में मदद करती हैं। जेईई या नीट की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए अनअकैडमी सेंटर ने एक अनोखी पहल की है – %श्योर सक्सेस प्रोग्राम'। इस पहल के तहत अगर तय शर्तों के बाद भी नीट में 500 से कम या जेईई में 93 परसेंटाइल से कम स्कोर आता है, तो छात्रों को कोर्स फीस का 50त्न वापस मिलेगा।

सबनानी ने संदीपनि विद्यालय का अधिकारियों के साथ दौरा किया

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक भगवानदास सबनानी ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक कमला नेहरू स्कूल में बना रहे, संदीपनि विद्यालय का अधिकारियों के साथ दौरा किया। व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर, इसी शैक्षणिक सत्र से विद्यार्थियों को प्रवेश मिले इसके निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बचे हुए काम को जल्द से जल्द पूरा कर विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाए इसके लिए काम को तीव्र गति से पूरा किया जाए, संपूर्ण व्यवस्था कर इसी सत्र से विद्यालय की शुरुआत की जाए। निरीक्षण के समय एसडीएम अर्चना शर्मा जिला शिक्षा अधिकारी एन के अहिरवार प्राचार्य श्रीमती संगीता सक्सेना जोन अध्यक्ष व पार्षद आरती राजू अनेजा भाजपा जिला कार्यालय प्रभारी राजू अनेजा मंडल अध्यक्ष हेमंत बडगैया सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

प्रमाणपत्र वितरण के साथ क्राईस्ट मेमोरियल स्कूल में हुआ समर कैम्प का समापन

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम नगर स्थित क्राईस्ट मेमोरियल सी. से. स्कूल में पिछले एक महीने से चल रहा समर कैम्प का समापन समारोह विभिन्न खेल कूद की प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ सम्पन्न हुआ। समारोह में स्कूल के संस्थापक डॉ. मेनिस मैथ्यूज़, प्राचार्य श्री परमेन्द्र दरयानी, उपप्रचार्या सुश्री रीना मंडलोई उपस्थित थे। कार्यक्रम में सम्न्वयक महोदया सुश्री अलमास खान ने कार्यक्रम का संचालन किया। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया की विगत एक माह से विद्यालय में ग्रीष्मकालीन अभिव्यक्ति षिविर चल रहा था। जिसमें खेलकुद, चित्रकला, कैलीग्राफी, इंगलिष स्पोकन, रीडिंग आदि का प्रषिक्षण अनुभवी प्रषिक्षकों द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में पधारे मुख्य अतिथि डॉ. मेनिस मैथ्यूज़ ने सभी बच्चों की सराहना की एवं कहा कि हमें अभ्यास ही है जो हमारे व्यक्तित्व को निखारता है, उन्होंने सभी से कहा कि आपने जिस कला को सीखा है उसका निरंतर अभ्यास करें और उसे निखारे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा जो विद्यार्थी ग्रीष्मकालीन में अपनी नींद खोकर कुछ सीखना चाहते हैं, निष्चित रूपेण वे आगे चलकर सफल होंगे। कार्यक्रम में सभी प्रषिक्षित उपस्थित थे, और अंत में उपप्राचार्या सुश्री रीना मंडलोई ने सबका हृदय से आभार व्यक्त किया एवं कहा कि जिन प्रषिक्षकों ने अपना समय निकालकर इन बच्चों की प्रतिभा निखारी है वे सब बधाई के पात्र हैं, और उन सब अभिभावकों का भी धन्यवाद किया जिन्होंने उने बच्चों को समर कैम्प में नियमित रूप से भेजा।

एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा पोस्टर निर्माण के माध्यम से विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज, भोपाल में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के आयुक्त द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज को तंबाकू सेवन के हानिकारक प्रभावों के प्रति जागरूक करना और एक स्वस्थ, तंबाकू-रहित जीवनशैली को बढ़ावा देना था। जागरूकता अभियान के तहत राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने तंबाकू के दुष्प्रभाव और इसे छोड़ने के महत्व को उजागर करते हुए विचारोत्तेजक पोस्टरों का निर्माण किया। ये पोस्टर स्वयंसेवकों के सोशल मीडिया पर प्रदर्शित किए गए, जो विषय-वस्तु का प्रभावी रूप से दृश्य प्रस्तुतीकरण थे और विशेष रूप से युवाओं में तंबाकू की लत को रोकने की आवश्यकता का स्पष्ट संदेश दे रहे थे। कॉलेज की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी एवं संकाय सदस्यों ने एन एस एस स्वयंसेवकों की रचनात्मकता और सामाजिक सरोकारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की।

चुनाव आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने कायस्थम की प्रदर्शनी का अवलोकन किया

भोपाल। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर कायस्थम द्वारा शरद श्रीवास्तव के छायाचित्रों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था । मप्र राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त श्री मनोज श्रीवास्तव ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर छायाचित्रों और कायस्थम की सराहना की । इस अवसर पर कायस्थम के अध्यक्ष प्रलय श्रीवास्तव, सचिव डॉ रश्मि सक्सेना, संयुक्त सचिव अजय भटनागर, कोषाध्यक्ष मुकुल अस्थाना, फोटोग्राफर शरद श्रीवास्तव, कार्यकारिणी सदस्य अनुराग श्रीवास्तव, अजय निगम एवं संजय खरे, नितिन सक्सेना, उमंग खरे आदि उपस्थित थे।

30 जून तक चलेंगे सघन मलेरिया जागरूकता को लेकर कार्यक्रम

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मलेरिया निरोधक माह के अंतर्गत मलेरिया से बचाव और लक्षणों की जानकारी के लिए 30 जून तक सघन जागरूकता कार्यक्रम किए जाएंगे। मलेरिया रोधी माह हर साल जून महीने में देशभर में मनाया जाता है, ताकि मानसून और संक्रमण के मौसम की शुरुआत से पहले बीमारी के प्रसार को रोकने की जागरूकता पैदा की जा सके। माह के दौरान जिला मलेरिया कार्यालय द्वारा एंबेड परियोजना फैमिली हेल्थ इंडिया के सहयोग से समुदाय के बीच में पहुंचकर मलेरिया रोकथाम के उपायो को समझाया जा रहा है। शपथ कार्यक्रम, जागरूकता रैली, स्लोगन राइटिंग सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन माह के दौरान किया जाएगा। प्रभावित क्षेत्रों में गंबूशिया मछली का संचयन किया जाएगा।

मलेरिया उन्मूलन के प्रयासों के फलस्वरुप भोपाल जिले में स्थिति काफी बेहतर है। इस साल अब तक 57263 लोगों की मलेरिया जांच की जा चुकी है, जिनमें से 4 मलेरिया पॉजिटिव मरीज मिले हैं। मलेरिया मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से होता है। एनाफिलीज मच्छर रुके हुए साफ पानी में पनपता है। ठंड लगकर बुखार आना मलेरिया का सबसे प्रमुख लक्षण है । मलेरिया का खतरा 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों और गर्भवती महिलाओं को ज्यादा रहता है। मलेरिया का शीघ्र एवं पर्याप्त उपचार नहीं लिया जाए तो मलेरिया से रोगी की मृत्यु भी हो सकती है । गर्भावस्था में मलेरिया गंभीर हो सकता है और जच्चा और बच्चा भी जान को भी खतरा हो सकता है।मलेरिया नियंत्रण हेतु शीघ्र जांच एवं पूर्ण उपचार , घर-घर भ्रमण कर बुखार रोगियों की मलेरिया जांच हेतु सर्विलेंस, कीटनाशक युक्त मच्छरदानी का वितरण, कीटनाशक छिड़काव , लार्वा नियंत्रण हेतु गतिविधियां, प्रशिक्षण एवं सपोर्टिव सुपरविजन किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ प्रभाकर तिवारी ने बताया कि मच्छर के प्रजनन पर रोक लगाने के घर के आसपास अनावश्यक जल भराव को रोकना, पानी को हमेशा ढक कर रखना, पानी के बर्तनों , मटका, टंकी, कूलर आदि की हर चौथे दिन पानी बदल कर सफाई करने आदि को अपनाने के लिये आमजनों को प्रेरित किया जा रहा है।

मलेरिया की जांच एवं दवाइयां सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में निशुल्क उपलब्ध है। आशा कार्यकर्ता से संपर्क करके भी जांच करवाई जा सकती है ।

समष्टि के लिए जीना मानव जीवन की सार्थकता

मानव जीवन प्रभु प्रदत्त सबसे अनमोल उपहार है। मनुष्य का जीवन ही एक ऐसा जीवन है जिसे पाने के लिए देवता भी तरसते हैं। अगर उस प्रभु ने हमें यह अनमोल मानव जीवन प्रदान किया है तो इसका श्रेष्ठतम उपयोग ही बुद्धिमानी होगी। सर्वप्रथम मनुष्य जीवन मिलना ही अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है मगर उसमे मनुष्यता का समाविष्ट हो जाना ही इस जीवन की परम सार्थकता है। मनुष्यता जीवन रुपी वृक्ष का फल एवं फूल है। जो वृक्ष फल अथवा फूल रहित होगा वो सदैव मूल्यहीन बना रहेगा। हमारा प्रत्येक कर्म दूसरों के लिए प्रेरणादायी होना चाहिए। जिस प्रकार सूर्य नारायण की किरणें जहाँ भी जाती हैं अपना प्रकाश जरूर बिखेर देती हैं। ऐसा ही हमारा आचरण इतना श्रेष्ठ होना चाहिए कि जहाँ भी हमारी उपस्थिति हो वहाँ प्रेरणा का प्रकाश अपने आप फैलने लग जाए एवं सबको उसका लाभ भी प्राप्त हो। स्वयं के लिए नहीं समष्टि के लिए जीना सीखिए, यही जीवन की श्रेष्ठतम उपलब्धि है।

भोपाल में शुरू प्रदेश की पहली माइक्रोब्रूवरी लिलासन्स हाउस का हुआ भव्य उद्घाटन

भोपाल। मध्यप्रदेश के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है राजधानी भोपाल में राज्य की पहली माइक्रोब्रूवरी लिलासन्स ब्रूहाउस का भव्य उद्घाटन हुआ यह ब्रूहाउस प्रतिष्ठित हाउस नंबर 230 ङ्क द गॉरमेट किचन एंड बार में शुरू किया गया है इस विशेष अवसर पर मध्यप्रदेश के आबकारी आयुक्त श्री अभिजीत अग्रवाल एवं सहायक आबकारी आयुक्त श्री वीरेन्द्र धाकड़ बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित थे और उन्होंने रिबन काटकर ब्रूहाउस का उद्घाटन किया। यह माइक्रोब्रूवरी प्रसिद्ध खजुराहो बीयर के निर्माताओं द्वारा स्थापित की जा रही है और इसमें हाथ से बनी ताज़ा क्राफ्ट बीयर, विश्वस्तरीय भोजन और लाइव ब्रूइंग अनुभव का अनूठा संगम है । इस आयोजन में शहर के प्रतिष्ठित अतिथि, खाद्य एवं पेय उद्योग से जुड़े विशेषज्ञ, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और युवा वर्ग की भागीदारी रही है।

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सवः धूमधाम से निकली कलश यात्रा

संत हिरदाराम नगर। लालघाटी सावन नगर स्थित श्री प्राचीन हनुमान मंदिर का पुर्ननिर्माण और श्रीराम दरबार, नर्मदेश्वर शिवलिंग प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का तीन दिवसीय आयोजन किया गया है। पहले दिन मंगलवार को सुबह हलालपुर स्थित खाती धर्मशाला से कलश यात्रा निकाली गई जो मुख्य मार्ग से होते हुए मंदिर प्रांगण पहुंची। कलश यात्रा में महिलाएं पीले वस्त्र धारण कर सिर पर कलश रखकर शामिल हुई। बड़ी संख्या में श्रद्वालु भगवान की भक्ति में लीन नजर आए। इसके बाद हेमाद्रि, प्रायश्चित, मण्डप, प्रवेश पीठार्चन, देव आवाहन, जलाधिवास किया गया। मनोज वर्मा और पंडित रघुवीर प्रसाद चौबे ने बताया कि 4 जून को देव आवाहन, स्थापित देव पूजन, ग्रहमण्डल पूजन, अन्नाधिवास, अग्नि स्थापना एवं हवनारंभ होगा और 5 जून को पूजन अवाहित देवता, हवन, प्राण प्रतिष्ठा श्रृंगार एवं पूर्णाहुति के बाद शाम 6 से 9 बजे तक विशाल भण्डारा होगा। कलश यात्रा में पंडित राजेंद्र दुबे, संतोष शर्मा, कार्यक्रम के मुख्य यजमान शांति एवं भगवती गुप्ता, आजाद, राजू पवन गुप्ता परिवार के अलावा सावन नगर हलालपुर एवं अन्य कॉलोनी से सैकड़ो की संख्या में महिलाएं उपस्थित रही।

मप्र के इस शहर में लगा प्रदेश का पहला ओपन ऑक्सीजन स्टेशन, लोगों को मिलेगी फ्री एंट्री

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजधानी भोपाल में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक नई पहल की गई है। डीबी मॉल में राज्य का पहला ओपन ऑक्सीजन स्टेशन स्थापित किया गया है, जिसे 'जंगल वास' संस्था द्वारा तैयार किया गया है। यह स्टेशन पूरी तरह से आम जनता के लिए निःशुल्क है और इसे देखने व अनुभव करने का मौका 1 जून से 5 जून तक दोपहर 12 बजे से रात 8 बजे तक मिलेगा।

'जंगल वास' की संस्थापक और पर्यावरणविद् डॉ. साक्षी भारद्वाज के अनुसार, ऑक्सीजन स्टेशन एक जीवंत और सतत पारिस्थितिक प्रणाली है, जिसे जैव विविधता और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है। इसमें कंपोस्ट जैसी जैविक और टिकाऊ सामग्री का उपयोग किया जाता है, जो रसोई के कचरे और सूखी पत्तियों से तैयार होती है। यह स्टेशन न केवल ऑक्सीजन का प्राकृतिक स्रोत है, बल्कि शहरी क्षेत्रों में हरियाली को बढ़ाने का एक अभिनव प्रयास भी है। इस ऑक्सीजन स्टेशन में 10 से लेकर 1000 तरह की पौधों की प्रजातियां लगाई जाती हैं। इनमें से कई पौधे हवा को शुद्ध करने की क्षमता रखते हैं, कुछ खाने योग्य हैं और कुछ केवल सजावटी होते हैं। डीबी मॉल में लगाए गए पौधों को भारत सहित दुनियाभर से चुनकर लाया गया है, जिन्हें विशेष रूप से इनडोर और आउटडोर उपयोग के लिए तैयार किया गया है। इन पौधों को 'हैंडपिक्ड' कहा जा सकता है, यानी बारीकी से चयनित। डॉ. साक्षी का मानना है कि इस मॉडल की खास बात यही है कि इसे किसी भी आम व्यक्ति द्वारा घर की छत, बालकनी, कैफे, ऑफिस या पेंटहाउस में भी अपनाया जा सकता है। यह सिर्फ पौधे लगाने तक सीमित नहीं, बल्कि यह एक ऐसा स्थान होता है जहां मनुष्य प्रकृति से दोबारा जुड़ने का अनुभव करता है। यह न केवल मानसिक शांति देता है, बल्कि वायुमंडल को भी स्वच्छ बनाता है।

कैसे तैयार होता है ऑक्सीजन स्टेशन

'जंगल वास' की टीम जब किसी स्थान पर ऑक्सीजन स्टेशन लगाना चाहती है, तो सबसे पहले उस स्थान का निरीक्षण करती है। इसके बाद उस क्षेत्र की संरचना और सूरज की रोशनी के अनुसार स्टेशन का डिज़ाइन तैयार किया जाता है। फिर पौधों का चयन किया जाता है ङ्क फलदार, सजावटी या शुद्धिकरण क्षमता वाले पौधे। यह पूरी प्रक्रिया ग्राहक की पसंद और जरूरत के अनुसार कस्टमाइज की जाती है।

जंगल वास की उपलब्धियां

'जंगल वास' संस्था अब तक भारत में 6 मिनी फॉरेस्ट स्थापित कर चुकी है। 2021 में इस संस्था को ह्रस्व बुक ऑफ नेशनल अवॉर्ड्स से सम्मानित किया गया और 2024 में इसने भारत का प्रतिनिधित्व अंतरराष्ट्रीय मंच (बाकू, अजरबैजान) में किया। यह उपलब्धि संस्था के समर्पण और दूरदृष्टि को दर्शाती है।

कौन हैं पर्यावरणविद् साक्षी भारद्वाज?

भोपाल निवासी डॉ. साक्षी भारद्वाज माइक्रोबायोलॉजी में पीएचडी हैं और वर्ष 2018-19 के दौरान उन्होंने 450 से अधिक प्रजातियों के लगभग 6000 पौधे रोपे। अब तक वे छह मिनी जंगलों की स्थापना कर चुकी हैं। उन्हें मध्यप्रदेश राज्य युवा पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है और वे स्वच्छता भोपाल अभियान की ब्रांड एंबेसडर भी हैं। इसके अतिरिक्त, वे संयुक्त राष्ट्र की वार्षिक पर्यावरण कांफ्रेंस ष्टह्वक्र29 में भारत का प्रतिनिधित्व भी कर चुकी हैं।

डॉ. साक्षी कहती हैं कि यह केवल एक हरित पहल नहीं, बल्कि यूनिसेफ जैसे वैश्विक संगठनों द्वारा समर्थित एक उदाहरण है कि कैसे हर व्यक्ति पर्यावरण के लिए कुछ कर सकता है। आने वाले समय में ऑक्सीजन स्टेशन न केवल शहरी जीवनशैली का हिस्सा बनेंगे, बल्कि एक संभावित व्यवसायिक मॉडल भी बन सकते हैं, जहां लोग शुद्ध हवा के साथ आत्मिक शांति भी पा सकेंगे।

त्वरित टिप्पणी - सांध्यप्रकाश

जी. के. छिब्बर

कोहली क्यों विराट हैं

जीत जाएंगे हम तू अगर संग है

रायल चैलेंजर को आईपीएल चैम्पियन बनाने में महत्वपूर्ण योगदान

आखिरकार 18 वे सत्र में रायल चैलेंजर बेंगलुरु आईपीएल चैम्पियन बनने को सफल हो गई और सबसे लम्बे समय तक आरसीबी के कप्तान रहे विराट कोहली की तमन्ना आईपीएल खिताब जीतने की पूरी हो गई जबकि भारतीय टेस्ट और टी 20 से वे रिटायर हो चुके हैं परन्तु उनमें अभी भी क्रिकेट बाकी है इसका प्रमाण इस आईपीएल में उनका प्रदर्शन ट्रॉफी जीतने वाला ही रहा है कोहली इसलिए भी विराट है क्योंकि वे अंडर 19 के विश्व विजयेता कप्तान रहे और भारत के वन डे और टी 20 विश्व कप चैंपियन ट्रॉफी के विजेता सदस्य भी रहे है और हर ट्रॉफी में विराट कोहली का योगदान अतुलनीय रहा हैं सिर्फ आईपीएल की ट्रॉफी का वे 17 वर्ष से इन्तजार कर रहे थे जबकि आरसीबी पूर्व में तीन बार फाइनल खेल चुकी थी लेकिन इस बार चैंपियनशिप जीतने का सपना पूरा हुवा और विराट कोहली आज विजेता होकर भाव विभोर हो गए। विराट कोहली आईपीएल में अबतक सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी है उन्होंने सर्वाधिक 8618 रन बनाए है 2 बार पर्पल केप जीत चुके है इस बार भी 657 रन बनाकर तीसरे क्रम पर और फाइनल में भी सर्वाधिक 43 रन बनाए है विराट कोहली मैदान में हमेशा सक्रिय और आक्रामक अंदाज में रहते है कई बार अतिउत्साह में विवादित होते रहे है यह उनके स्वभाव की विशेषता है परन्तु खेल पर पूरी तरह समर्पित रहते है। आईपीएल में महेंद्र सिंह धोनी के बाद वे सबसे पसंदीदा खिलाड़ी है आईपीएल में हम उन्हे अभी और तीन से चार वर्ष तक खेलते देख सकते है वे वास्तव में भारत के विराट क्रिकेटर है जिनका सम्मान विश्व क्रिकेट आज भी सर्वाधिक है।

विश्व पर्यावरण दिवस वन नेशन, वन मिशन एंड प्लास्टिक पॉल्यूशन पर आधारित होगाः प्रमुख सचिव कोठारी

भोपाल। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया जायेगा। प्रमुख सचिव पर्यावरण श्री नवनीत मोहन कोठारी ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस वन नेशन, वन मिशन एण्ड प्लास्टिक पॉल्यूशन पर आधारित होगा। श्री कोठारी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा की। उन्होंने सभी अधिकारियों को समुचित कार्य करने के निर्देश दिये। प्रमुख सचिव श्री कोठारी ने कहा कि पर्यावरण दिवस के अवसर पर ÷एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान का शुभारंभ किया जायेगा। साथ ही एकीकृत पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली पोर्टल का भी शुभारंभ होगा। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर राज्य वेटलैण्ड प्राधिकरण द्वारा तैयार प्रदेश के वेटलैण्ड्स एटलस का विमोचन किया जायेगा। श्री कोठारी ने बताया कि पीएचडी छात्रवृत्ति एवं मध्यप्रदेश वार्षिक पर्यावरण पुरस्कार का वितरण भी कार्यक्रम में किया जायेगा। बैठक में मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव श्री अच्युदानंद मिश्रा और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

पचमढ़ी में 33 करोड़ के पर्यटन विकास कार्यों का किया लोकार्पण और शिलान्यास

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने जंगल सफारी सुविधा के लिए 11 नए ट्रेक्स क्रूजर वाहन को हरी झंडी दिखाई

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश विरासत भी और विकास भी की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। प्रदेश को गौरवान्वित करने वाले जननायक के अंचलों में कैबिनेट बैठकें और प्रमुख कार्यक्रम आयोजित कर विकास के संकल्प को और अधिक मजबूत किया जा रहा है। गोंडवाना की रानी दुर्गावती, मालवा में महाराजा विक्रमादित्य, निमाड़ की रानी लोकमता अहिल्याबाई और अब जननायक राजा भभूत सिंह जी के द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों और स्वर्णिम पक्षों को समाज के समक्ष जीवंत किया जा रहा हैं।

मुख्यमंत्री डॉ यादव मंगलवार को पचमढ़ी में होटल अमलतास में आयोजित पर्यटन विकास निगम के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने पचमढ़ी में 33 करोड़ से अधिक के पर्यटन विकास के कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने घोषणा करते हुए कहा कि पचमढ़ी उद्यान अब राजा भभूत सिंह उद्यान के नाम से जाना जाएगा। इसी प्रकार पचमढ़ी शासकीय महाविद्यालय का नाम भी राजा भभूत सिंह महाविद्यालय होगा। उन्होंने पचमढ़ी में जनजातीय संग्रहालय बनाने और कोरकू समाज के पवित्र स्थल पर प्रतीक्षालय और टीनशेड बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि नर्मदापुरम में लॉजिस्टिक पार्क बनाने का निर्णय लिया गया हैं। ये पार्क क्षेत्र में विकास की नई सौगात लेकर आएगा। इस अवसर पर लोक निर्माण विभाग एवं नर्मदापुरम जिले के प्रभारी मंत्री श्री राकेश सिंह, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत, संस्कृति मंत्री श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, कुटीर एवं ग्राम उद्योग राज्य मंत्री श्री दिलीप जायसवाल, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री श्री दिलीप अहिरवार, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक नर्मदापुरम डॉ सीतासरन शर्मा, सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, विधायक श्री विजयपाल सिंह, विधायक श्री ठाकरदास नागवंशी, साडा अध्यक्ष श्री कमल धूत, श्रीमती प्रीति शुक्ला, प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति श्री शिव शेखर शुक्ला सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहें।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि पचमढ़ी अपने अप्रतिम नैसर्गिक सौंदर्य के लिए पूरे देश में जाना जाता है। यह अंचल अपने प्राकृतिक सौंदर्य के साथ कई ऐतिहासिक तथ्यों को भी अपने में समाहित किए हुए हैं। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा पचमढ़ी के विकास में आ रही बाधाओं को दूर कर इसे सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। पचमढ़ी के विकास के द्वारा खोले हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि शौर्य और बलिदान के प्रतीक जननायक राजा भभूत सिंह जी के स्मृति में मध्यप्रदेश सरकार ने पचमढ़ी में कैबिनेट बैठक करने का निर्णय लिया। जिसके माध्यम से उनके शौर्य और पराक्रम को समाज के सामने लाया जा रहा है। राजा भभूत सिंह व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने बिना भयभीत हुए पूरे पराक्रम से अंग्रेजों के साथ संघर्ष किया और देशभक्ति की उत्कृष्ट मिसाल पेश की। राजा भभूत सिंह हमारी स्मृति और संस्कृति में सदैव अमर रहेंगे। उन्होंने कहा कि राजा भभूत सिंह के वंशजों के लिए भी गौरवशाली पल है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने जंगल सफारी सुविधा के लिए 11 ट्रेक्स क्रूज़र वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। म.प्र. पर्यटन विभाग ने वाइल्ड लाइफ प्रेमियों और पर्यटकों को एक नई सौगात दी है। प्रदेश के विभिन्न राष्ट्रीय उद्यानों में पर्यटन सुविधाओं के विस्तार की दिशा में अहम कदम उठाते हुए विभाग ने जंगल सफारी के लिए नए आरामदायक ट्रेक्स क्रूज़र वाहन उपलब्ध कराए हैं।

पर्यटकों के भ्रमण को और अधिक सुगम एवं सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से प्रथम चरण में कुल 11 ट्रेक्स क्रूज़र वाहन क्रय किए गए हैं। ये ट्रेक्स क्रूज़र वाहन डीजल चालित हैं और इनमें 9+1 सीटों की व्यवस्था है, जो कि परंपरागत जिप्सी वाहनों की तुलना में तीन सीट अधिक है। साथ ही, इनकी लंबाई भी अधिक है, जिससे सफर के दौरान पर्यटकों को ज्यादा जगह और आराम मिलता है। यह सभी वाहन पर्यटन निगम की विभिन्न इकाइयों में उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे जंगल सफारी के अनुभव को और भी रोमांचक और आरामदायक बनाया जा सकेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 12.49 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण किए गए पर्यटन विभाग के 5 कार्यों का लोकार्पण किया। जिनमें जटाशंकर एवं पांडव केव्स पर 19 लाख रुपये की लागत से निर्मित पिंक टॉयलेट लाउंज, जयस्तंभ क्षेत्र में 10 करोड़ रुपये की लागत से मार्गों के दोनों ओर विकसित पाथवे, धूपगढ़ में 60 लाख रुपये की लागत से जलगली से जलप्रदाय पाइपलाइन और पंप हाउस, पचमढ़ी प्रवेश द्वार का 35 लाख रुपये का सौंदर्यीकरण, तथा सतपुड़ा रिट्रीट में 1.35 करोड़ रुपये की लागत से किए गए किचन, रेस्टोरेंट नवीनीकरण और स्विमिंग पूल निर्माण शामिल हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने 21.39 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित 6 विकास कार्यों का भूमिपूजन भी किया। इन कार्यों में हांडीखो में 1.98 करोड़ रुपये की लागत से पर्यटकों की सुविधा और सुरक्षा के विकास, सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व क्षेत्र में 2.13 करोड़ रुपये की लागत से बुनियादी सुविधाओं का विकास, पॉलिथिन मुक्त पचमढ़ी के लिए 34 लाख रुपये की लागत से आरओ जल प्रदाय प्लांट की स्थापना, हिलटॉप बंगले को 6.70 करोड़ रुपये की लागत से होम स्टे में बदलने का कार्य, योजना के अंतर्गत 9.90 करोड़ रुपये की लागत से कम्युनिटी सेंटर का विकास, तथा ग्लेन व्यू में 34 लाख रुपये की लागत से केंद्रीय नर्सरी की स्थापना शामिल हैं।

पंचमढ़ी में पिंक टॉयलेट लाउंज का लोकार्पण महिलाओं को मिलेगा संचालन का जिम्मा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पंचमढ़ी में पांडव गुफा और जटाशंकर में निर्मित पिंक टॉयलेट लाउंज का लोकार्पण किया। प्रत्येक पिंक टॉयलेट की लागत 20 लाख रुपये है, जिसे पूरी तरह से कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व फंड के माध्यम से वित्त पोषित किया गया है। टॉयलेट लाउंज में आधुनिक सुविधाएं, स्वच्छता व्यवस्था और महिलाओं की जरूरतों को ध्यान में रखकर विशेष प्रावधान किए गए हैं। इन टॉयलेट्स का संचालन स्थानीय स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को सौंपा गया है, जिससे न केवल उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

भोपाल। मानसून की आहट शुरू हो गई है लेकिन राजधानी में बड़े नालों की सफाई का काम अभी भी अधूरा है। ऐसे में बारिश के मौसम में बाढ़ के हालात बने तो पानी निकासी की समस्या गंभीर हो जाएगी

फर्जी समग्र आईडी घोटाला मध्यप्रदेश में गरीबों के हक का अपहरणः मुकेश नायक

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने प्रदेश में फैले फर्जी समग्र आईडी घोटाले को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने इस घोटाले को न केवल भ्रष्टाचार का एक बड़ा मामला बताया, बल्कि इसे जनकल्याण योजनाओं का अपहरण करार देते हुए भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली पर तीखा हमला बोला।

श्री नायक ने कहा कि मध्य प्रदेश में समग्र आईडी प्रणाली गरीब और वंचित वर्गों को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए शुरू की गई थी, लेकिन यह प्रणाली अब भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुकी है। भोपाल में हाल ही में उजागर हुए 14 लाख फर्जी समग्र आईडी के मामले ने पूरे प्रदेश की सड़ी हुई व्यवस्था को उजागर कर दिया है। अनुमान है कि अगर पूरे मध्यप्रदेश की जांच की जाए, तो यह आंकड़ा करोड़ों तक पहुंच सकता है। उन्होंने बताया कि फर्जी नामों, फर्जी पतों और फर्जी मोबाइल नंबरों के जरिए समग्र आईडी बनाकर सरकारी योजनाओं का लाभ गलत लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। कई मामलों में एक ही व्यक्ति के नाम पर कई आईडी बनाई गई हैं, जिसके कारण वास्तविक पात्र लोग सरकारी योजनाओं से वंचित हो रहे हैं। यह घोटाला हर जिले, हर ब्लॉक और हर पंचायत में फैला हुआ है, जो सरकार की नाकामी और भ्रष्टाचार को साफ तौर पर दर्शाता है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान का मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को नर्मदापुरम जिले के पचमढ़ी में राजा भभूत सिंह के शौर्य, बलिदान एवं साहस को स्मरण कर उनकी स्मृति में आयोजित केबिनेट बैठक के उपरांत एक पेड़ मां के नाम अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजा भभूत सिंह उद्यान पहुंचकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अपनी माताजी के नाम पर आम का पौधा रोपा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पचमढ़ी प्रकृति के द्वारा दिया गया अद्भुत वरदान और अद्वितीय नैसर्गिक देन है। इसके विकास के लिए सरकार निरंतर कार्य करेगी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा एवं उप मुख्यमंत्री जेंद्र शुक्ल ने भी अपनी-अपनी माताजी के नाम से आम के पौधों का रोपण कर अभियान में सहभागिता की। कार्यक्रम में राज्य सरकार के अन्य मंत्रीगण भी उपस्थित रहे। सभी मंत्रीगणों ने अपनी माताओं के सम्मान में पौधारोपण कर एक पेड़ मां के नाम अभियान को सार्थक स्वरूप प्रदान किया।

उल्लेखनीय है कि पूर्व में यह उद्यान बाल उद्यान के नाम से जाना जाता था। मुख्यमंत्री द्वारा इस उद्यान का नाम वीर राजा भभूत सिंह की स्मृति में राजा भभूत सिंह उद्यान किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने

कहा कि राजा भभूत सिंह ने अंग्रेजों से संघर्ष कर देशभक्ति की जो मशाल जलाई थी, वह अद्वितीय और प्रेरणास्पद है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विरासत से विकास के उद्घोष के अनुरूप स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों को स्मरण कर रही है और उनके योगदान को जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पचमढ़ी को आदि काल से अद्भुत प्राकृतिक धरोहर बताया और कहा कि सतपुड़ा की रानी पचमढ़ी में राजा भभूत सिंह जैसे योद्धाओं की वीरगाथाएं बसती हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आगामी 14, 15, 16 जून को पचमढ़ी में सभी विधायकों और सांसदों के साथ अभ्यास सत्र आयोजित किया जाएगा, जिसमें पचमढ़ी क्षेत्र के विकास का विस्तृत रोडमैप भी तैयार किया जाएगा।

जनसुनवाई में कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने सुनी आवेदकों की समस्याएं

भोपाल। कलेक्टर कोशलेंद्र विक्रम सिंह ने मगलवार को जिले से जनसुनवाई में आए नागरिको की समस्याए सुनी। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया गया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 164 आवेदन प्राप्त हुए। इस मौके पर एडीएम भूपेन्द्र गोयल, अंकुर मेश्राम, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती इला तिवारी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर सिंह ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

जल गंगा संवर्धन अभियानः नर्मदा से लगे ग्रामों में नर्मदा पथ सर्वेक्षण और जागरण यात्रा जारी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

प्रदेश में 30 जून तक चलने वाला जल गंगा संवर्धन अभियान पूरी गति से चल रहा है। अभियान में जन-भागीदारी में पुरुषों के साथ महिलाएँ भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों के तालाबों की सफाई का कार्य लगातार किया जा रहा है। इसके साथ ही नर्मदा नदी से लगे ग्रामीण क्षेत्रों में नर्मदा पथ सर्वेक्षण यात्रा भी लगातार जारी है। जन-सामान्य को पानी के महत्व और उसकी बचत की शपथ दिलायी जा रही है।

अशोकनगर जिले में पेयजल स्रोतों की साफ-सफाई का कार्य निरंतर जारी है। अभियान में जन-भागीदारी को प्रोत्साहित किया जा रहा है। जनपद पंचायत चंदेरी की ग्राम पंचायत खैरा के ग्राम हंसारी में कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने ग्रामीणों के साथ श्रमदान किया। इस दौरान मानव श्रृंखला बनाकर ग्रामीणों के लिये जल संरक्षण का संदेश दिया गया। ग्रामीणों को बताया गया कि गहरीकरण से पानी का भराव क्षेत्रफल और भूमि का जल-स्तर बढ़ेगा। यह तालाब 60 वर्ष पुराना है। तालाब के पानी से किसानों द्वारा फसलों की सिंचाई भी की जाती है। मछुआरों को मछली-पालन के लिये ठेके भी दिये गये हैं।

झाबुआ जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान जन-भागीदारी के साथ तेज गति से चल रहा है। अभियान में जहाँ एक ओर पुराने कुँए, बावड़ी के जीर्णोद्धार और तालाबों का गहरीकरण किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर नये अमृत सरोवर और खेत-तालाब बनाने का कार्य हाथ में लिया गया है। रूफ वॉटर हॉर्वेस्टिंग का कार्य भी बड़े स्तर पर शुरू किया गया है। f

जले में 300 ग्राम पंचायतों में गहरीकरण के लिये कुल 585 तालाबों, चेकडेम, स्टॉप डेम एवं अन्य जल संरचनाओं को चिन्हित कर 375 जल संरचनाओं का गहरीकरण कर 58 हजार 941 ट्रेक्टर ट्रॉली से मिट्टी निकालकर 2183 किसानों ने अपने खेतों में डाली है। इस कार्य में 5 हजार ग्रामीणों ने सहभागिता की है। जल संरचनाओं के गहरीकरण से जल भराव क्षमता बढ़कर 27 लाख 72 हजार घन मीटर हो गयी है। कटनी जिले में इन दिनों गाँव-गाँव जाकर जल चौपाल लगायी जा रही है। जल चौपाल में ग्रामीणों को पानी की एक-एक बूँद का महत्व समझाया जा रहा है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम 5 पौधे लगाये जाने के लिये प्रेरित किया जा रहा है। जिले के नागिन माता मंदिर के सामने नाले में पत्थर बंधान के लिये श्रमदान किया। श्रमदान में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भागीदारी की। जिले में प्राचीन बावड़ियों को चिन्हित किया गया है और वहाँ जन-भागीदारी से सफाई कार्य किया जा रहा है। इसी के साथ किसानों को खेत-तालाब के फायदों के बारे में जानकारी दी जा रही है। किसानों को समझाइश दी गयी है कि पानी के संचयन से उत्पादकता और किसानों की आमदनी बढ़ेगी।

जल गंगा संवर्धन अभियान में जबलपुर के अमानपुर रोड स्थित गंगा सागर तालाब में श्रमदान कर साफ-सफाई की गयी। श्रमदान में महापौर श्री जगत बहादुर सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में नागरिकों ने भागीदारी की। नागरिकों को पेयजल स्रोतों को साफ रखने की शपथ दिलायी गयी। जिले में युवाओं के माध्यम से जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अनेक स्वयंसेवी संस्थाएँ शहर के तालाबों की स्वच्छता के लिये सामने आयी हैं। अभियान में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिये भी ठोस प्रयास किये जा रहे हैं। नरसिंहपुर जिले में नर्मदा जी के दक्षिण और उत्तर तट पर नर्मदा पथ सर्वेक्षण जन-जागरण यात्रा निकाली जा रही है। यात्रा के दौरान ग्रामीणों से विभिन्न जानकारियाँ जुटाई जा रही हैं। ग्राम चौपाल लगाकर माँ नर्मदा नदी को स्वच्छ रखने की शपथ दिलायी जा रही है। इस दौरान होने वाली आरती में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन शामिल हो रहे हैं। ग्राम कीरखेड़ा, भटेरा, तिमरावन, रिछावर एवं सोकलपुर से नर्मदा यात्रा निकाली गयी। इस दौरान ग्रामीणों ने श्रमदान कर सफाई कार्य में हिस्सा लिया। जन-चौपाल में ग्रामीणों के सामूहिक भजनों की प्रस्तुतियाँ भी हुईं।

संपादकीय

इकॉनामी से आ रहे खुशनुमा संकेत

गत सप्ताह जारी राष्ट्रीय लेखा आंकड़ों ने अधिकांश अर्थशास्त्रियों को सकारात्मक रूप से चौंकाया। वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी वास्तविक अर्थों में 6.5 फीसदी बढ़ी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने भी अपने दूसरे अग्रिम अनुमानों में इसके इसी स्तर पर रहने की बात कही थी। दूसरी तिमाही में वृद्धि दर के 6 फीसदी से नीचे रहने के कारण चिंता की स्थिति बनी।

बहरहाल, अर्थव्यवस्था वर्ष की दूसरी छमाही में बेहतर स्थिति में आ गई। खासतौर पर अंतिम तिमाही में। चौथी तिमाही के दौरान सकल मूल्यवर्धन 6.8 फीसदी रहा और इसमें कृषि, विनिर्माण और सेवा जैसे क्षेत्रों का योगदान रहा। विनिर्माण क्षेत्र इस तिमाही में भी केवल 4.5 फीसदी की दर से बढ़ा।

मांग की बात करें तो पूरे साल के दौरान निजी अंतिम खपत व्यय 7.2 फीसदी बढ़ा जबकि इससे पिछले साल यह 5.6 फीसदी बढ़ी थी। निवेश में केवल 7.1 फीसदी का इजाफा हुआ जबकि इससे पिछली तिमाही में यह 8.8 फीसदी बढ़ा था। वर्ष की शुरुआत धीमी निवेश गतिविधि से हुई लेकिन दूसरी छमाही में इसने गति पकड़ ली।

यह सही है कि वृद्धि 6.5 फीसदी रही लेकिन यह भी ध्यान देने लायक है कि यह 2023-24 के 9.2 फीसदी के मुकाबले काफी कम है। इसके अलावा 2021-22 में कोविड-19 महामारी की शुरुआत के बाद से इस वर्ष विस्तार की गति सबसे धीमी रही। वर्ष के दौरान कई अर्थशास्त्री कह चुके हैं कि महामारी के झटके से उबरने के बाद वृद्धि सामान्य स्तर पर लौट आई है। चालू वर्ष के लिए कृषि क्षेत्र से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। मॉनसून जल्दी आ गया है और बारिश के सामान्य से बेहतर रहने की उम्मीद है। उच्च कृषि उत्पादन न केवल वृद्धि में सीधा योगदान करेगा बल्कि ग्रामीण आय में भी इजाफा करेगा। इससे मांग को समर्थन मिलेगा। कुल मिलाकर निजी खपत में सुधार के संकेत हैं लेकिन यह देखने की बात होगी कि यह टिकाऊ है या नहीं। चाहे जो भी हो, उच्च कृषि उत्पादन और कम खाद्य मुद्रास्फीति मौद्रिक नीति समिति यानी एमपीसी को नीतिगत राहत का अवसर देंगे। विश्लेषकों का अनुमान है कि एमपीसी मौजूदा चक्र में नीतिगत ब्याज दरों में 50 से 100 आधार अंकों की और कटौती करेगी। वास्तविक कमी इस बात पर निर्भर करेगी कि एमपीसी आने वाली तिमाहियों में मुद्रास्फीति में किस प्रकार के उभार की उम्मीद करती है और संभावित वृद्धि को लेकर क्या अनुमान लगाती है। अगर मुद्रास्फीति के परिणाम लक्ष्य के करीब रहते हैं तो एमपीसी शायद नीतिगत समायोजन के साथ वृद्धि को गति दे।

बहरहाल, काफी कुछ इस बात पर भी निर्भर करेगा कि बाहरी माहौल क्या करवट लेता है? अमेरिका और अन्य जगहों पर उच्च बॉन्ड प्रतिफल भी एमपीसी के विकल्पों को प्रभावित कर सकते हैं। वास्तव में बाहरी वित्तीय और आर्थिक अनिश्चितताएं भारतीय अर्थव्यवस्था को कई प्रकार से प्रभावित करेंगी। अमेरिका की एक अदालत ने डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा आपात उपायों का इस्तेमाल करके लगाए गए उच्च शुल्कों पर रोक लगाने का निर्णय दिया है। बहरहाल, एक अन्य अदालत ने उन्हें अस्थायी राहत प्रदान की है। इस बीच ट्रंप ने स्टील और एल्युमीनियम पर शुल्क दोगुना करने की घोषणा की है।

मानसिक स्वास्थ्य योग केवल शरीर के लिए ही नहीं, मन के लिए भी है। कोई बच्चा या वयस्क शारीरिक रूप से अपंग हो सकता है, लेकिन उसके मन के पूर्णत: स्वस्थ रहने की पूरी संभावना रहती है। योग व्यक्ति को अपनी छिपी हुई मानसिक और बौद्धिक क्षमताओं को पूरी तरह विकसित करने में सहायता करता है। आध्यात्मिक स्वास्थ्य आत्मा कभी अपंग नहीं होती। अनेक ऐसे लोग जो शारीरिक रूप से विकलांग होते हैं, वे अपने अंतर की गहराई में जाने के लिए योग का अभ्यास करते हैं। योग के माध्यम से उन्हें स्वयं को मुक्त करने का मार्ग मिल जाता है और उन्हें यह ज्ञान हो जाता है कि शारीरिक विकृति से उनमें जो कमी आ गयी है उससे कहीं अधिक उनके अंदर छिपा है। चिकित्सा विज्ञान ने टेक्नोलॉजी के इस युग में अनेक चमत्कार किये हैं, और यह अत्यधिक विकसित और उपयोगी हो गया है। इसे योग के साथ संबद्ध कर दिया जाये तो अपंगों को बहुत लाभ हो सकता है।

बच्चों के शारीरिक, भावनात्मक एवं ज्ञानात्मक विकास के लिए योगाधारित शिक्षा प्रणाली की आवश्यकता

योग गुरु महेश अग्रवाल

आदर्श योग आध्यात्मिक योग केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल कई वर्षों से निःशुल्क योग प्रशिक्षण के द्वारा लोगों को स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखा रहें है, वर्तमान में भी ऑनलाइन एवं प्रत्यक्ष माध्यम से यह क्रम अनवरत चल रहा है। योग प्रशिक्षण के दौरान केंद्र पर आने वाले बच्चों का योग से जुड़े रहें इसका विशेष ध्यान रखा जाता है। बच्चों में सीखने की जिज्ञासा बढ़े ऐसा अभ्यास करवाया जाता है।

योग गुरु अग्रवाल ने मासूम बच्चों की पीड़ा का अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर कहा कि बच्चे के विकास के अपने नियम होतें हैं, यदि हम उसके विकास में उसकी सहायता करना चाहते हैं, तो हमें स्वयं को उस पर थोपने के बदले उसके विकास में उसका साथ देना चाहिए । हमारे आस-पास कई बार बहुत कुछ हमारे सामने होता है, लेकिन फिर भी हम उससे अनजान होते हैं, दिखने में छोटी लगने वाली कोई बात या परेशानी असल में अंदर से बहुत बड़ी हो सकती है। बच्चों के साथ भी कई बार ऐसा होता है। उनके साथ कभी अनजाने में तो कभी जानबूझ कर ऐसी घटनाएं होती हैं, जो उनको शारीरिक मानसिक और भावनात्मक रूप से प्रभावित करती हैं। इन्हीं पीड़ा को ध्यान में रखते हुए हर साल 4 जून को मासूम बच्चों की पीड़ा का अंतरराष्ट्रीय दिवस उन बच्चों के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है जो पीड़ित हैं, शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक शोषण का शिकार हैं ।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 19 अगस्त, 1982 को प्रतिवर्ष 4 जून को मासूम बच्चों की पीड़ा का अंतरराष्ट्रीय दिवस के रूप में घोषित किया था। इस दिवस का उद्देश्य आक्रमण के शिकार हुए बच्चों को यौन हिंसा, अपहरण से बचाना तथा उनके अधिकारों की रक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है । संयुक्त राष्ट्र का उद्देश्य दुनिया भर में उन बच्चों की पीड़ा को स्वीकार करने के लिए विस्तारित हुआ जो शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक शोषण के शिकार हैं, यह संघर्ष की स्थितियों में बच्चों की सुरक्षा में सुधार के प्रयासों में एक ऐतिहासिक कदम था। यह संघर्ष स्थितियों में बच्चों की सुरक्षा में सुधार के प्रयासों में एक ऐतिहासिक विकास था।

हाल के वर्षों में कई संघर्ष क्षेत्रों में बच्चों के खिलाफ उल्लंघन की संख्या में वृद्धि हुई है। बच्चों की सुरक्षा के लिए और अधिक प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। हिंसक अतिवादियों द्वारा बच्चों को निशाना बनने से बचाने के लिए और अंतर्राष्ट्रीय मानवीय व मानव अधिकार कानून को बढ़ावा देने के लिए समेत बच्चों के अधिकारों के उल्लंघन के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए और अधिक किया जाना चाहिए ।

योग गुरु अग्रवाल नें बताया कि हर वर्ग, आयु और राष्ट्रीयता के व्यक्ति के जीवन में योग की अपनी भूमिका है, चाहे वह विकलांग हो या नहीं। जो विकलांग हैं उनके लिए यह विशेष रूप से लाभदायक है क्योंकि यह शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक, तीन स्तरों पर कार्य करता है और इससे व्यक्ति का समन्वित विकास होता है। शारीरिक समस्याओं का सुधार योग के तकनीक व्यक्ति की शारीरिक पंगुता पर निर्भर करते हैं। यदि कोई अंग नहीं है या अत्यंत विकृत है तो सबसे पहले कृत्रिम अंग का प्रत्यारोपण करना चाहिए या उसका इलाज कराया जाना चाहिए। आसन तथा प्राणायाम का उपयोग विकृत अंग में रक्त मंद परिसंचरण में सुधार लाने, स्नायुओं की क्रियाशीलता को प्रेरित करने और कमजोर मांसपेशियों को विकसित करने तथा उन्हें सजग नियंत्रण के अधीन करने के लिए किया जाता है। पोलियो एक ऐसा सामान्य रोग है जिसका उपचार योग के माध्यम से संभव है।मानसिक स्वास्थ्य योग केवल शरीर के लिए ही नहीं, मन के लिए भी है। कोई बच्चा या वयस्क शारीरिक रूप से अपंग हो सकता है, लेकिन उसके मन के पूर्णत: स्वस्थ रहने की पूरी संभावना रहती है। योग व्यक्ति को अपनी छिपी हुई मानसिक और बौद्धिक क्षमताओं को पूरी तरह विकसित करने में सहायता करता है।आध्यात्मिक स्वास्थ्य आत्मा कभी अपंग नहीं होती। अनेक ऐसे लोग जो शारीरिक रूप से विकलांग होते हैं, वे अपने अंतर की गहराई में जाने के लिए योग का अभ्यास करते हैं। योग के माध्यम से उन्हें स्वयं को मुक्त करने का मार्ग मिल जाता है और उन्हें यह ज्ञान हो जाता है कि शारीरिक विकृति से उनमें जो कमी आ गयी है उससे कहीं अधिक उनके अंदर छिपा है। चिकित्सा विज्ञान ने टेक्नोलॉजी के इस युग में अनेक चमत्कार किये हैं, और यह अत्यधिक विकसित और उपयोगी हो गया है। इसे योग के साथ संबद्ध कर दिया जाये तो अपंगों को बहुत लाभ हो सकता है। कीर्तन - ध्वनि द्वारा ध्यान एकाग्र करने और श्रवणगत बोध का विकास करने के लिए कीर्तन एक उपयुक्त विधि है। ये ध्वनियाँ सामान्य रूप से एक व्यक्ति द्वारा गाकर या मंत्रोच्चार करके या अपने हाथों या पैरों से थाप देकर उत्पन्न की जाती हैं। कीर्तन में ताल वाद्यों का उपयोग भी किया जाता है।कीर्तन का महत्त्व हृदय के भावों पर और व्यक्तिगत अभिव्यक्ति पर निर्भर करता है, भले ही उसमें गीत का आदर्श रूप प्रकट न होता हो। इसलिए विकलांग बच्चों में उपचार के लिए कीर्तन करवाना निश्चित रूप से उपयोगी सिद्ध होगा।

नये आर्थिक सूरज बनने के सुखद एवं गौरवपूर्ण पल

ललित गर्ग

नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने रविवार की सुबह नये उगते सूरज के साथ भारत के नये आर्थिक सूरज बनने की सुखद एवं आह्लादकारी खबर दी। उन्होंने बताया कि भारत जापान को पीछे छो?कर दुनिया की चौथी सबसे ब?ी अर्थव्यवस्था बन गया है और अब अगले ढाई से तीन वर्षों में जर्मनी को हटाकर तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकडों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया की चौथी सबसे ब?ी अर्थव्यवस्था और 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की जीडीपी बन चुके भारत ने अनेक नवीन संभावनाओं एवं उपलब्धियों को पंख लगाये हैं। निश्चित ही भारत आर्थिक क्षेत्र के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में एक महाशक्ति बन कर उभर रहा है, जो हर भारतीय के लिये गर्व एवं गौरव की बात है।

सुब्रह्मण्यम ने कहा, केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और जर्मनी ही हमसे ब? हैं और जो योजना बनाई जा रही है, अगर हम उसी पर टिके रहते हैं, अपनी योजनाओं एवं नीतियों को आगे ब?ाते है तो भारत शीघ्र ही तीसरी सबसे ब?ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अप्रैल 2025 में कहा था कि 2025 में भारत की नॉमिनल जीडीपी ब?कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगी। वहीं, जापान की जीडीपी का आकार 4,186.431 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के अनुमानों के अनुसार, आने वाले वर्षों में भारत जर्मनी को पछा?कर दुनिया की तीसरी सबसे ब?ी अर्थव्यवस्था भी बन सकता है। 2027 तक भारत की अर्थव्यवस्था 5 ट्रिलियन डॉलर के आंक? को पार कर सकती है और इस दौरान जीडीपी का आकार 5,069.47 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। वहीं, 2028 तक भारत की जीडीपी का आकार 5,584.476 अरब डॉलर होगा, जबकि इस दौरान जर्मनी की जीडीपी का आकार 5,251.928 अरब डॉलर रहने का अनुमान है।

सशक्त एवं विकसित भारत निर्मित करने, उसे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने और अर्थव्यवस्था की सुनहरी तस्वीर निर्मित करने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निरन्तर प्रयास कर रहे हैं। मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, उनके अमृत काल का विजन तकनीक संचालित और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। मोदी सरकार की नियोजित एवं दूरगामी सोच का ही परिणाम है रिजर्व बैंक के पास सोने के भंडार में लगातार वृद्धि हो रही है। भारत में आर्थिक गतिविधियां नये शिखरों पर सवार है, क्योंकि भारत में डीमैट खाते 19 करो? के पार पहुंच चुके हैं। देश के कुल डीमैट खाते अब अन्य देशों की तुलना में नौवें स्थान पर हैं, जिसका मतलब है डीमैट खाते रूस, जापान, इथियोपिया, मैक्सिको जैसे देशों की आबादी से अधिक और बांग्लादेश की आबादी के करीब है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे ब?ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है, जिसमें 1,40,000 से अधिक पंजीकृत स्टार्टअप और हर 20 दिन में एक यूनिकॉर्न उभरता है।

इन आर्थिक उजले आंक?ों में जहां मोदी के विजन 'हर हाथ को काम' का संकल्प साकार होता हुआ दिखाई दे रहा है, वहीं 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर हो रहा है। दुनिया की तीसरी ब?ी अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर भारत ने जापान को पीछे छो? चौथी अर्थ-व्यवस्था बन गयी है। भारत ने अनेक आर्थिक क्षेत्रों में नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। लेकिन भारत के सामने चुनौतियां भी नयी-नयी शक्लों में उभर रही है। नयी आर्थिक उपलब्धियों एवं फिजाओं के बीच धनाढ्य परिवारों का भारत से पलायन कर विदेशों में बसने का सिलसिला चिन्ताजनक है।

सदियों पहले भारत एक विकसित सभ्यता एवं सोने की चि?या रहा है। भारत हर दृष्टि से समृद्ध देश रहा है। अंग्रेजों की बे?यों में जक?ने से पहले मध्यकालीन दौर में दुनिया की सबसे ब?ी अर्थव्यवस्था भी रहा। विदेशी आक्रांताओं ने देश को लूटा। इतिहास में झांकें, तो लग सकता है कि मौर्य साम्राज्य की तरह एक बार फिर भारत समृद्धि के शिखर पर आरोहण करते हुए नए आर्थिक सफर एवं दुनिया की ब?ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होने के लिये साजो-सामान तैयार कर रहा है। मॉर्गन स्टेनली के विशेषज्ञों ने कुछ ही समय पहले कहा है कि अगले दस साल भारत के लिए कुछ वैसे ही तेज विकास का समय होगा, जैसे चीन ने 2007 से 2012 के बीच देखा। आज के भारत में राजनीतिक एकता और सैन्य सुरक्षा के साथ पूरे इलाके का एक आर्थिक तंत्र भी विकसित हो रहा है। आर्थिक समृद्धि का दौर शुरू हुआ है तो इसके बाधक तत्वों पर विचार करना ज्यादा जरूरी है।

और कितना विनाश ?

राकेश दुबे

मानव समाज ज्यों ज्यों विकसित होता जा रहा है त्यों त्यों प्रकृति प्रदत्त जीवनदायी तत्वों का विनाश बढ़ता ही जा रहा है। हालांकि प्रकृति मित्र विकास के मॉडल विकसित करने के दावे और प्रयास किए जा रहे हैं, किन्तु जिस गति से प्रकृति का विनाश किया जा रहा है, उसकी भरपाई करना असंभव होता जा रहा है।

हवा, पानी और भोजन जीवन की सबसे मूल जरूरतें हैं। हवा नें प्रदूषण इस हद तक बढ़ गया है कि विश्व के अनेक क्षेत्र गैस चैंबर बनते जा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के चलते धरती पर पानी के भंडार खतरे में पड़ गए हैं। हिमनदों के पिघलने की गति बढ़ती जा रही है जिसके चलते आने वाले 40-50 वर्षों में ग्लेशियर समाप्त होने के कगार पर होंगे। अमरीका के रौकिज से लेकर यूरोप की ऐल्प्स, काकेशस, और भारत की हिमालय पर्वत श्रृंखलाएं हिमनद विहीन होने वाली हैं। विज्ञान पत्रिका 'साइंस' के मुताबिक यदि हम वैश्विक तापमान वृद्धि को औद्योगिक क्रांति के बाद से 2 डिग्री सेंटीग्रेड के भीतर नहीं रोक सके तो विश्व के ग्लेशियरों में सदी के अंत तक 10-15 प्रतिशत ही बर्फ बची रहेगी। इससे पानी की आपूर्ति करने वाली सदानीरा नदियां मौसमी बन कर रह जाएंगी जिनमें बारिश होने पर ही पानी होगा, या थोड़ा बहुत वनों द्वारा संरक्षित जल पर ही आबादी को निर्भर रहना पड़ेगा।

भूजल की स्थिति भी अच्छी नहीं है। भारत में 45 प्रतिशत क्षेत्र भूजल के अधिक दोहन के कारण लाल सूची में आ गए हैं। हिमनदों के जल्दी पिघलने के कारण हिमालयी क्षेत्रों में हिमनद जनित झीलें बन रही हैं। हिमनदों की बर्फ कच्चे मलबे के साथ टूट कर पर्वतीय संकरी घाटियों में गिर कर बर्फीले मलबे के बांध बना देती है, जिसमें हिमनदों का पानी जमा होता रहता है और जब पानी की मात्रा बांध की दीवार की झेलने की शक्ति से ज्यादा हो जाती है, तब ये हिमनद बांध टूट कर निचले क्षेत्रों में बाढ़ लाकर भारी तबाही का कारण बनते हैं। हिमाचल में 90 के दशक में पार्च्छू से आई बाढ़ और उत्तराखंड में विष्णुगाड़ बाढ़ ताजा उदाहरण हैं। हिमालय में इस समय 28000 के करीब हिमनद झीलें बन चुकी हैं जिनमें से बहुत सी खतरनाक साबित हो सकती हैं। उपजाऊ जमीनें अत्यधिक उपज लेने के चक्कर में रासायनिक खादों और कीटनाशक और खरपतवार नाशक दवाइयों के प्रयोग के कारण अपनी शक्ति खोती जा रही हैं। यानी जिंदा रहने के लिए सबसे जरूरी तीनों तत्व खतरे की चपेट में हैं। और जलवायु परिवर्तन के कारण प्राकृतिक आपदाओं का क्रम भी बढ़ता जा रहा है। अति वृष्टि और अनावृष्टि का क्रम आम हो गया है। इस वर्ष हिमाचल में मार्च में औसत से कम बारिश हुई है। जब बारिश होती है तो बहुत भारी बारिश होती है। हिमाचल और उत्तराखंड में पिछले दो वर्षों से बरसात में भारी तबाही हो रही है। गत वर्ष हिमाचल में 450 के लगभग लोग अकाल मृत्यु का ग्रास बन गए थे। इस वर्ष मई महीने में ही कुल्लू और चंबा जिलों में बादल फटने की घटनाएं हो चुकी हैं, जिससे जन-धन की हानि हुई है। भारतीय ऊर्जा, पर्यावरण एवं जल परिषद ने इस वर्ष देश के 57 फीसदी जिलों को जिनमें 76 फीसदी आबादी का निवास है, अत्यंत भीषण गर्मी की चपेट में आने की चेतावनी दी है। 1993 से 2022 के बीच मौसम खतरा सूचकांक 2025 के अनुसार मौसम की भारी मार झेलने वाले देशों में भारत छठे स्थान पर है। 2024 की रिपोर्ट के अनुसार 2012-22 के बीच 55फीसदी तहसीलों में बारिश में भारी वृद्धि दर्ज की गई। वैश्विक तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि के कारण ही यह स्थिति बनी है। तापमान में वृद्धि ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में वृद्धि के कारण हुई है।

इन गैसों के उत्सर्जन में वृद्धि अंधाधुंध निर्माण कार्यों में वृद्धि के कारण हुई है। अत्यधिक ऊर्जा की मांग के कारण जीवाश्म ईंधनों के प्रयोग में वृद्धि हो रही है। निर्माण कार्यों के कारण ग्रीन हाउस गैसों को प्रचूषित करके नियंत्रण करने वाले वनों का भी बहुत कटान हो रहा है। भारतवर्ष चीन और अमरीका के बाद सबसे ज्यादा कार्बन उत्सर्जन करने वाला देश बन गया है। गत वर्षों में भारत कोयले के खनन को लगभग 5 फीसदी बढ़ा चुका है। जरूरत तो इसे कम करते जाने की है। हालांकि स्वच्छ ऊर्जा के लिए सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए अच्छे प्रयास हुए हैं। 2015 में सौर ऊर्जा का कुल ऊर्जा उत्पादन में योगदान 0.5 से बढ़ कर 5.8 फीसदी हो गया है। इस समय भारत की स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता 73 गीगावाट है, जो विश्व स्तर पर छठे स्थान पर है। किन्तु 70 फीसदी ऊर्जा जरूरतें अभी भी कोयले से पूरी की जा रही हैं। इसे लगातार कम करने की जरूरत है। अत्यधिक बनावटी मांग पैदा करना एक बड़ी समस्या बनती जा रही है। पूरा मीडिया इसी काम में लगा रहता है। उत्पादन प्रक्रिया का फलसफा अमरीकी फलसफे पर आधारित होता जा रहा है, जिसमें 'यूज एंड थ्रो' का सिद्धांत सर्वोपरि है। पुराने समय में उत्पाद ऐसे होते थे जिनकी मरम्मत करके सालों साल प्रयोग किया जा सकता था। मरम्मत करने वाले लोगों की एक बड़ी फौज को रोजगार भी मिलता था। अब तो ऐसी वस्तुएं बनने लगी हैं जिनको एक बार प्रयोग करके फैंकना ही पड़ता है। इससे एक तो संसाधनों का अत्यधिक दोहन और खनन करना पड़ता है और दूसरे, इतना ज्यादा कचरा पैदा हो रहा है जिसके निपटारे की समस्या नियंत्रण से बाहर हो रही है। इस सबके लिए अतिरिक्त ऊर्जा की जरूरत पड़ती है। टिकाऊ उत्पाद बनाने से इस फिजूलखर्ची से बचा जा सकता है।

इस फालतू कचरे के कारण वायु और जल प्रदूषण भी बढ़ता जा रहा है। प्लास्टिक कचरे के जल में पहुंचने से माइक्रो प्लास्टिक और नैनो प्लास्टिक मछलियों के पेट में पहुंच रहा है और वहां से मनुष्य के भोजन के रास्ते मनुष्य शरीर में पहंच कर नई नई समस्याएं पैदा कर रहा है। ग्लेशियर पिघलने से लाखों सालों से दबे कई तरह के वायरस भी प्रकट हो रहे हैं जिनके बारे में कोई समझ अभी विकसित होना कठिन है। वन्य प्राणियों के शरण स्थल वन घटते जाने से वन्य प्राणियों के आबादियों में आने से मानव-वन्य प्राणी संघर्ष तो बढ़ ही रहा है, साथ ही उनके वायरस भी मनुष्य प्रजाति को खतरा पैदा कर रहे हैं। कोरोना भी तो जंगली चमगादड़ों के ही माध्यम से फैला था, चाहे उन पर किए जा रहे कुछ प्रयोगों की वजह से ही क्यों न हो। अत=अति उपभोग पर आधारित सभ्यता को सादगी की ओर ले जाने की दिशा में सोचना होगा। टिकाऊ विकास की बात को यथार्थ में जमीनी स्तर पर लाना होगा।

सफलता की पहली सीढ़ी है ''समय प्रबंधन''

प्रवीण कक्कड़

कल्पना कीजिये, आपको कोई 24 लाख रूपये दे और इन्हें खर्च करने की सीमा हो 24 घंटे तो आप क्या करेंगे। अपनी प्राथमिक जरूरतों को देखेंगे और उसके अनुसार पूरा पैसा खर्च करेंगे। आप कोशिश करेंगे कि पूरे पैसे सही जगह खर्च हों। ऐसा ही गणित समय का भी है। बस हम इसे पैसों की तरह अनमोन नहीं समझ पाते और इसे व्यर्थ गवा देते हैं, जबकि यह अनमोल खजाना है। हम सभी के पास 24 घंटे हैं और हमें इसे सोच-समझकर प्राथमिकता के साथ अपनी सफलता के लिए खर्च करना है। कुछ लोग इन्हीं 24 घंटों का सही उपयोग कर इतिहास रच देते हैं और कुछ लोग इसे व्यर्थ गवा देते हैं।

एलन मस्क, बिल गेट्स, मार्क जुगरबर्क और आप सभी के पास बराबर 24 घंटे हैं। आपका सफल या असफल होना समय के उपयोग पर निर्भर करता है। याद रखें जो समय का सम्मान करता है, समय भी उसका सम्मान करता है। बीता हुआ समय कभी वापस नहीं आता। यही कारण है कि महान लोग हमेशा समय के महत्व को समझते हैं और इसे बर्बाद नहीं करते। अगर आप अपने जीवन में सफलता चाहते हैं, तो समय का सही प्रबंधन करना सीखिए। एक मिनट की लापरवाही पूरे दिन की मेहनत को बेकार कर सकती है, जबकि एक सुव्यवस्थित दिनचर्या आपको बुलंदियों तक पहुँचा सकती है। आज का काम कल पर मत छोड़िए, क्योंकि कल कभी नहीं आता। प्रतिदिन लक्ष्य निर्धारित कीजिए, प्राथमिकताएँ तय कीजिए और अनुशासन के साथ आगे बढ़िए। याद रखिए, समय ही आपका सबसे बड़ा साथी या सबसे बड़ा दुश्मन बन सकता है–यह आप पर निर्भर करता है कि आप इसे कैसे उपयोग करते हैं। जो समय की कीमत समझता है, समय उसकी कद्र करता है!

समय एक अनमोल संसाधन

दिन में 24 घंटे होते हैं, और इन्हें बढ़ाया नहीं जा सकता। सोने, खाने, विश्राम और दैनिक क्रियाओं का समय भी तय है। ऐसे में, यह सवाल उठता है कि इस सीमित समय का अधिकतम उपयोग कैसे किया जाए? समय प्रबंधन का सीधा सा अर्थ है, अपने समय को इस तरह से नियोजित करना कि आपके कार्य और उनके उद्देश्य निश्चित योजना के तहत पूरे हों।

समय प्रबंधन की बढ़ती महत्ता

जैसे-जैसे आप जीवन में ऊँचे पदों की ओर बढ़ते हैं, समय प्रबंधन का महत्व उतना ही अधिक होता जाता है। एक अकेला व्यक्ति अगर आधा घंटा लेट होता है, तो वह केवल अपने आधे घंटे का नुकसान करता है। लेकिन, एक वरिष्ठ अधिकारी अगर मीटिंग में आधा घंटा देरी से पहुँचता है, तो वह मीटिंग में मौजूद सभी लोगों के कुल मिलाकर घंटों का नुकसान करता है। यह दर्शाता है कि समय का सही उपयोग व्यक्तिगत और सामूहिक सफलता दोनों के लिए कितना ज़रूरी है।

डिजिटल युग की चुनौतियाँ और समय की डकैती

आज के डिजिटल युग में, हमारे समय की चोरी एक षड्यंत्र बन चुकी है। आप कोई महत्वपूर्ण संदेश देखने के लिए फ़ोन उठाते हैं, और नोटिफिकेशंस की बाढ़ में खो जाते हैं। फेसबुक, इंस्टाग्रामज और कुछ ही देर में आप भूल जाते हैं कि आपने फ़ोन उठाया किस काम के लिए था। यह हमारे समय की ऐसी बर्बादी है जिसके लिए हम अकेले दोषी नहीं हैं, बल्कि यह डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का ही एक तरीका है जो हमसे हमारे अनमोल समय की डकैती कर लेता है।

तो फिर क्या किया जाए? न हम फ़ोन का इस्तेमाल छोड़ सकते हैं, न इंटरनेट का। न हम अपने उच्चाधिकारियों को समय पर मीटिंग में आने का आदेश दे सकते हैं, और न ही मित्रों के आग्रह को टाल सकते हैं। ऐसे में, हमें खुद को व्यवस्थित करना होगा और अपनी ज़रूरी कामों पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

फोकस और प्राथमिकता का महत्व

हज़ारों की भीड़ के बीच खेलता क्रिकेटर, लाखों की भीड़ और शोर में भाषण देता नेता, या जाड़ा-घाम झेलता एक सैनिक–ये सभी अपने काम में मुस्तैदी से लगे रहते हैं। क्यों? क्योंकि इन सबने अपने दिन के सबसे महत्वपूर्ण कार्य तय कर लिए हैं और उन्हें निभाने का प्रण ले लिया है।

अगर हम सबसे पहले अपने सर्वोच्च प्राथमिकता वाले काम निपटा लें, तो बाद की बाधाओं को डिस्टर्ब करने के लिए कोई महत्वपूर्ण काम बचेगा ही नहीं। बहुत से लेखक देर रात में लिखते हैं क्योंकि उस समय कोई व्यवधान नहीं होता। कई सीईओ और नेता सुबह 9 बजे तक अपने महत्वपूर्ण फैसले कर लेते हैं क्योंकि उस समय उन्हें कोई परेशान करने वाला नहीं होता।

आलस्य और काम की आतुरता

समय प्रबंधन की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि हम अक्सर अपने सबसे शांति वाले समय को आलस्य में बर्बाद कर देते हैं। और जब लोगों से मिलने-जुलने और व्यवधानों का समय आता है, तब हम काम करना चाहते हैं। जिस तरह हमें भूख और नींद के लिए आतुरता होती है, वैसी ही आतुरता अगर काम के लिए हो जाए, तो हमारा कोई काम विलंब से न हो। काम की इसी आतुरता को हासिल करना ही इंद्रियों को वश में करना और समय को साध लेना है।

आज के समय में, समय को साध लेना ही एक बहुत बड़ी सिद्धि है। क्योंकि समय किसी का इंतज़ार नहीं करता, इसीलिए हमें समय के अनुशासन को अपने गले में कंठ हार की तरह डाल लेना चाहिए। यही समय प्रबंधन का मूल मंत्र है।

समय प्रबंधन के 5 गोल्डन रूल्स

* सुबह जल्दी उठकर दिन की शुरुआत पर नियंत्रण रखें।
* जो काम 2 मिनट में हो, उसे तुरंत करें; टालमटोल से बचें।
* प्राथमिकताएं तय कर सबसे ज़रूरी काम पर ध्यान केंद्रित करें।
* हर दिन 'टू-डू' लिस्ट बनाकर, सभी कामों को समय पर पूरा करें।
* डिजिटल डिस्ट्रक्शन को नियंत्रित कर, काम के दौरान फोकस्ड रहें।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

साइकिल से जिला योजना भवन आए मंडला के कलेक्टर

मण्डला। जिला कलेक्टर मण्डला द्वारा 3 जून को विश्व साईकिल दिवस के अवसर पर आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर सोमेश मिश्रा अपने कार्यालय से साइकिल चलाकर जिला योजना भवन पहुँचे। साईकिल से जनसुनवाई में आने के संबंध में उन्होंने कहा कि लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने एवं फिट रहने के लिए योग, व्यायाम अथवा साईकिल चलाने जैसी गतिविधियों का संदेश देने के लिए विश्व साईकिल दिवस पर साईकिल का उपयोग किया गया है। मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि कोविड-19 के बाद लोगों को अपनी रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। वहीं उन्होंने कहा कि साइकिल हमारी संस्कृति तथा स्वास्थ्य की पहचान है जो हमारे स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है।

आबकारी विभाग ने 95 लीटर कच्ची शराब और 11 क्विंटल लहान जब्त किया

मंडला। जिले में अवैध शराब एवं नशा से संबंधित नशीली सामाग्रियों का व्यापार तेजी से पनप रहा है, जहां आये दिन पुलिस एवं आबकारी विभाग द्वारा स्मैक तथा अवैध शराब गांजा पर छापामार कार्रवाई कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने में प्रयासरत हैं, परन्तु अपराधियों ने भी शासन-प्रशासन से नैन से नैन मिलाकर अवैध कारोबार करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

जिला आबकारी अधिकारी रामजी पांडेय के मार्गदर्शन में मण्डला जिले में मदिरा के अवैध संग्रहण, परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध की गई कार्यवाही में वृत मण्डला में ग्राम अंजनिया में मांद किनारे मदिरा निर्माण करने वाले अड्डों पर दबिश की कार्यवाही की गई। कच्ची मदिरा 95 लीटर एवं 110 डिब्बों में भरा लाहन, जिसकी मात्रा 1100 किलोग्राम। जप्त महुआ लाहन को घटनास्थल पर नष्ट किया गया। जप्त मदिरा एवं लहान की कुल अनुमानित कीमत 1,24,250 रुपये है। आबकारी बल को देख आरोपी भाग खड़े हुए। जिनके विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। उक्त कार्यवाही के दौरान आबकारी उपनिरिक्षक सर्वेश नागवंशी, शैली सैयाम, भानू पुसाम, हरेसिंह उइके, आरक्षक विजय कमलेश, रघुनाथ उइके, सत्यपाल मरावी, राजेन्द्र खंडेलकर, महेश पटेल, शंकुतला सैयाम, नेतराम ककोटिया, प्रिया नायडू उपस्थित रहे।

श्री खेड़ापति माता मंदिर हिरानिया में शिवलिंग पुर्नस्थापना हेतु कलश यात्रा निकाली

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)।श्री खेड़ापति माता मंदिर हिरानिया में मंगलवार से शिवलिंग पुनस्थापना प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव प्रारंभ हो गया इसके लिए हिरानिया में कलश यात्रा निकाली गई कलश यात्रा के बाद मंडप प्रवेश पंडित यज्ञाचार्य मनोज शास्त्री और पुजारी रामबाबू दुबे ने कराया पूजा सामग्री धर्म ध्वजा स्थापित करने रामकिशोर शर्मा, माखन नागर रामेश्वर नागर,रामनाथ योगेश तिवारी, जेपी मिश्रा, बंटी तिवारी ,जगदीश नागर, मेहताब सिंह नागर, दिनेश नागर, सुरेंद्र नागर, संजय नागर ,उमेश नागर, अशोक नागर , मंजू नागर माताएं बहने आदि भक्त लोग शामिल हुए द्य

जिला स्तरीय जनसुनवाई में 200 आवेदनों पर हुई सुनवाई

छतरपुर। मंगलवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय जनसुनवाई सम्पन्न हुई। जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर विशा माधवानी, कौशल सिंह, एसडीएम अखिल राठौर एवं विभागीय जिलाधिकारी उपस्थित रहे। व्हीसी के माध्यम से जिले के अनुभागों के एसडीएम एवं तहसीलदार जुड़े रहे। जनसुनवाई में प्राप्त 200 शिकायती आवेदनों का परीक्षण करते हुये सीईओ जिला पंचायत ने संबंधित विभाग को आवेदन निराकरण करने के लिए निर्देशित किया एवं समस्याओं को सुना। जनसुनवाई में शिक्षा, राजस्व, पुलिस, नगरीय निकाय, ग्रामीण विकास, विद्युत मण्डल, स्वास्थ्य, खाद्य, आदिम जाति, श्रम, सामाजिक न्याय, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न शिकायती आवेदन प्राप्त हुए। सीईओ श्रीमती परिहार ने जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देश दिए कि प्राप्त आवेदनों का प्रमुखता के साथ निराकरण करें।

अनुभवहीन इंजीनियर्स के हाथों में ग्रामीण सड़कों की कमान, 4 संविदा सीजीएम के पदस्थापना आदेश जारी

रीवा । मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण ने मंगलवार को संविदा पर चयनित 11 में से चार क्षेत्रीय मुख्य महाप्रबंधकों के पदस्थापना आदेश जारी किए। दो अन्य इंजीनियरों की सेवाएं उनके मूल विभाग आरईएस को सौंपी गईं। संविदा सीजीएम की भर्ती शुरू से विवादित रही। खास बात यह है कि सबसे विवादित एक संविदा सीजीएम को दो संभागों की जिम्मेदारी दी गई है।

प्राधिकरण की ओर से मंगलवार को जारी आदेशानुसार, सुनील वर्मा को क्षेत्रीय कार्यालय ग्वालियर व सागर,ओपी दशोरा को सिर्फ उज्जैन,एमएल डाबर को इंदौर के साथ भोपाल व मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से रिटायर्ड एफ जे खान को क्षेत्रीय कार्यालय जबलपुर के अलावा रीवा क्षेत्रीय कार्यालय का दायित्व भी सौंपा गया।

6 को इंतजार, 2 को मूल विभाग में भेजा: चयनित 11 में आधा दर्जन अन्य संविदा सीजीएम को पदस्थापना का इंतजार है। बताया जाता है कि उनके मूल विभाग से एनओसी नहीं मिलने के कारण उनकी पदस्थापना रोकी गई। जबकि एक अन्य

चयनित अधिकारी पीके गुप्ता को उनके मूल विभाग आरईएस में भेजा गया। गुप्ता की तरह अब तक 5 क्षेत्रीय कार्यालय सागर, ग्वालियर, उज्जैन, इंदौर व रीवा में सीजीएम का दायित्व संभाल रहे सीएम अहिरवार की सेवाएं भी वापस आरईएस को सौंपी गई। अहिरवार चार्ज देने के बाद आरईएस में लौटेंगे,जबकि गुप्ता को तत्काल प्रभाव से वापस किया गया है।

अनुभवहीनों के हाथ ग्रामीण सड़क की कमान : हैरानी की बात यह कि क्षेत्रीय सीजीएम के लिए जिन सेवानिवृत इंजीनियरों को चयन किया गया,उनमें से अधिकांश ने कभी सड़कें नहीं बनवाई। मसलन,मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में रहे एफजे खान को जबलपुर के साथ ही रीवा क्षेत्रीय कार्यालय का दायित्व सौंपा गया है। सिर्फ महाकौशल क्षेत्र का होने से उन्हें चयन व पदस्थापना में अतिरिक्त लाभ मिला। बताया जाता है कि नई पदस्थापना से पहले ही उन्होंने मैदानी संपर्क बढ़ाने के जतन शुरू कर दिए। इसका लाभ भी उन्हें मिला। अन्य चयनितों में शेजकर एक मात्र ऐसे अभियंता हैं जो गड़बड़ी के कारण ईएनसी से सीई पद पर रिवर्ट हुए थे। वहीं कुमार मनोज बीएसएनएल,अनुराग सेठ व पराग सक्सेना एनएचडीसी एवं प्रशांत पाठक उदय प्रोजेक्ट से रहे हैं।

भर्ती,साक्षात्कार भी रहा विवादों में: चयनित संविदा सीजीएम के लिए बीते माह 8 व 9 अप्रैल को साक्षात्कार परीक्षा हुई,लेकिन साक्षात्कार लेने वाली पैनल में विशेषज्ञों की कमी,अयोग्य सदस्य की मौजूदगी व एक उम्मीदवार विशेष के लिए साक्षात्कार प्रक्रिया को आगे बढ़ाने जैसे विवाद सामने आए। इसके बावजूद न केवल चयन प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया गया,बल्कि अब इनकी पदस्थापनाएं भी शुरू हो गई हैं।

एचडीएफसी बैंक के कर्मचारी प्रिंस से पुलिस ने अब तक बरामद किए 20 लाख

सिरोंज। एचडीएफसी बैंक में कार्य करवाने बैंक कुर्मी प्रिंस श्रीवास्तव ने ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी राशि लेकर गायब हो गया था जिसने पिछले दिनों इसने पुलिस क सामने सिलेंडर कर दिया था । पी आर के दौरान पूछताछ के बाद पुलिस ने इस मामले में अब तक 20 लख रुपए बरामद कर लिए हैं । बाकी राशि की वसूली होना शेष है इस मामले में पुलिस एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी ने बताया कि 20 अप्रैल को फरियादी शुजाअत अली पुत्र विलायत अली उम्र 54 साल निवासी वार्ड नं. 06 तलैया मोहल्ला थाने पर उपस्थित होकर रिपोर्ट की थी ॥ष्टस्पष्ट बैंक शाखा सिरोंज में कार्यरत सहायक शाखा प्रबंधक प्रिंस श्रीवास्तव द्वारा छल पूर्वक (धोखाधडी कर) मेरे खाते से मेरे तीनों चैक लगाकर कुल 24,40,000/- रुपये की राशि की धोखाधडी कर रूपये लेकर भाग गया है । रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 134/25 धारा 318(4) , 316(5) बी.एन.एस. का पंजीबद्ध किया गया है । विवेचना प्रारंभ की गई ।

आरोपी द्वारा जिन खातों में राशि को ट्रांसफर किया गया था । सायबर सेल की सहायता से उक्त खातों मे राशि को होल्ड कराकर सुरक्षित किया गया । वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार आरोपी प्रिंस श्रीवास्तव की लगातार तलाश लगातार की जा रही थी। सहायक आरोपी ध्रुब कुमार दुबे पुत्र प्रमोद कुमार उम्र 24 साल निवासी गोरी कोम्पलेक्स के सामने बरेठ रोड गंजबासोदा को दिनांक को गिरफ्तार किया गया । आरोपी प्रिंस श्रीवास्तव (सहायक शाखा प्रबंधक एच.डी.एफ.सी. बैक प्रिंस श्रीवास्तव) पुत्र वीरेन्द्र श्रीवास्तव उम्र 26 साल निवासी वार्ड नं. 08 नवांकुर गली , गंजबासोदा जिला विदिशा को विवेचना के दौरान गिरफ्तार किया गया । आरोपी से पूछताछ के दौरान प्रकरण का मशरूका 10 लाख 10 हजार रूपये की राशि बरामद की गई है तथा 9 लाख 90 हजार रूपये बैंक में फ्रीज कराये गये है । कुल मशरूका 20 लाख रूपये बरामद किये गये है । शेष राशि की बरामदगी होना बाकी है।

गुनगुनी धूप सी कहानियों का विमोचन: शब्दों में संवेदनाओं की तपिश और समाज का सच

रतलाम। पॉवर हाउस रोड स्थित रतलाम प्रेस क्लब भवन का दृश्य कुछ अलग ही था। मंच सजा था, शब्दों की गरिमा और संवेदनाओं की ऊष्मा वहां उपस्थित हर व्यक्ति के मन को छू रही थी। अवसर था वरिष्ठ पत्रकार और लेखिका वैदेही कोठारी की नवीनतम पुस्तक गुनगुनी धूप सी कहानियां के विमोचन का। यह संग्रह न केवल कहानियों का संकलन है, बल्कि नारी संवेदनाओं, सामाजिक संघर्षों और जीवन की बारीक अनुभूतियों का आईना है।

23 वर्षों की पत्रकारिता का अनुभव, लेखन में संवेदना की भाषा: वैदेही कोठारी पत्रकारिता में 23 वर्षों से सक्रिय हैं। उनके लेख देशभर की प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहे हैं। लेखन के प्रति उनका समर्पण और विषयों की सामाजिक गहराई ने उन्हें एक सशक्त स्त्री स्वर के रूप में स्थापित किया है। वर्तमान में वे बाल कल्याण समिति की सक्रिय सदस्य भी हैं। समाज के उपेक्षित वर्गों विशेषकर बच्चों और महिलाओं के लिए उनकी संवेदनशील दृष्टि उनकी कहानियों में स्पष्ट परिलक्षित होती है।

विमोचन समारोह में प्रबुद्धजनों का संगम: इस गरिमामय आयोजन की मुख्य अतिथि रहीं पूर्व मंत्री, महू विधायक और प्रखर नेत्री उषा ठाकुर उन्होंने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि रचनात्मक लेखन समाज की वैचारिक चेतना को जाग्रत करता है। वैदेही कोठारी की यह पुस्तक न केवल साहित्यिक रचना है, बल्कि सामाजिक मूल्यों की पुनर्स्थापना का प्रयास भी है।÷ उन्होंने राष्ट्रप्रेम जैसे विषयों पर भी अपने विचार प्रकट किए और कहा कि संस्कारयुक्त परिवार ही एक सशक्त राष्ट्र की नींव होते हैं।

बाबा सत्यनारायण मौर्य का व्यंग्य में सजीव चिंतन: समारोह के विशेष अतिथि अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त चिंतक, कवि और कलाकार बाबा सत्यनारायण मौर्य रहे। उन्होंने मालवी और हिन्दी दोनों भाषाओं में अपने विशिष्ट व्यंग्यात्मक लेकिन मर्मस्पर्शी शैली में कहा कि आज भावनाओं का स्थान तकनीक ने ले लिया है, ऐसे में वैदेही जैसे लोग समाज को उसकी आत्मा की याद दिला रहे हैं।÷ उन्होंने सरलता, लक्ष्य और जड़ों से जुड़े रहने की महत्ता को उजागर किया।

अतिक्रमण मुहिम देर रात तक चलती रही , नागरिकों ने लगाए भेदभाव के आरोप

किसी का छोड़ा किसी के हटाए अतिक्रमण

बाबू पांचाल आष्टा। शहर में अतिक्रमण मुहिम सोमवार से शुरू की गई है जो की देर रात को भी चलती रही अतिक्रमण मुहिम शहर के अलीपुर से शुरू हुई जो कि भोपाल नाके पर देर रात तक चलती रही स्थानीय नागरिक को और दुकानदारों ने भेदभाव का आरोप लगाया लगाया।

बता दे की शहर में सोमवार से अतिक्रमण मुहिम शुरू हुई है मुहिम की शुरुआत में ही भेदभाव का आरोप नागरिकों ने लगाए हैं दरअसल अतिक्रमण मुहिम के लिए पिछले दिनों प्रशासन ने एक बैठक बुलाई थी जिसमें नगर पालिका को निर्देश दिया था कि शहर के प्रमुख मार्ग और चौराहों का अतिक्रमण हटाए इसी को लेकर अतिक्रमण मुहिम इंदौर नाके से अलीपुर ,पुराना बस स्टैंड ,गायत्री मंदिर ,बस स्टैंड ,पुराना भोपाल इंदौर मार्ग ,भोपाल नाका तक देर रात तक मुहिम चली।

नागरिकों ने लगाए भेदभाव के आरोप : अतिक्रमण मुहिम दे रात को बस स्टैंड और भोपाल नाका क्षेत्र में चली यहां पर दुकानदारों ने एतराज जाताया है कि बीच में कई अतिक्रमण छोड़ दिए गए और गरीबों के अतिक्रमण हटा रहे हैं कई दुकानदारों ने समय मांगा लेकिन उनका

अतिक्रमण हटा दिया आखिर ऐसा क्यों हटाए तो सबका हटाए।दुकानदार आनंद मेवाड़ा मोहन सिंह मेवाडा, नावेद खान ने बताया कि हमने समय मांगा लेकिन नहीं दिया और कई दुकानदारों को प्रशासन ने समय दे दिया हमें 2 मिनट का भी समय नहीं दिया जरा सी देर में हमारा नुकसान कर दिया आखिर ऐसा क्यों उन्होंने कहा कि अतिक्रमण मुहिम दिन में चलनी चाहिए आखिर प्रशासन और नगर पालिका की ऐसी क्या मजबूरी की देर रात में महिम चला रहे हैं उन्होंने कहा कि दिन में अतिक्रमण मुहिम भी चलना चाहिए कई दुकानदार तो यहां पर है ही नहीं। स्थानीय नागरिक और दुकानदारों ने प्रशासन की भेदभाव अतिक्रमण मुहिम को लेकर क्षेत्रीय विधायक गोपाल सिंह इंजीनियर को भी अवगत कराएंगे।अतिक्रमण मुहिम में एसडीएम स्वामी उपाध्याय मिश्रा, एसडीओपी आकाश अमलकर ,सीएमओ राजेश सक्सेना, सहित पुलिस बल नगर पालिका अमला जेसीबी के साथ मौजूद रहा।

प्रशिक्षण: अमृत 2.0 योजना के तहत एक पेड़ मां के नाम लगाएंगी महिलाएं, मिलेंगे 1500 रुपए

सांध्य प्रकाश, इटारसी । अमृत 2.0 योजना के तहत एक पेड मां के नाम अभियान में स्वसहायता समूह की महिलाएं पौधे लगाकर आय अर्जित कर सकेंगी। नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने बताया कि इस योजना में स्वसहायता समूहों को पौधे लगाने का काम देकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जाएगा। इसके अलावा यह योजना पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा देगी। उन्होंने बताया कि स?वसहायता समूह से जुडी महिलाओं को दो साल तक पौधों की देखरेख करना है और उन्हें स्वस्थ रखना है इसके बाद ही उन्हें पैसे मिलेंगे। एक पेड को लगाकर उनकी देखरेख करने पर दो साल बाद 1500 रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। नपाध्यक्ष श्रचौरे के मुताबिक योजना के तहत शहर में दो हजार पेड़ लगाने की प्लानिंग है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा है कि महिलाओं को आजीविका के नए अवसर प्रदान किए जाएं साथ ही पर्यावरण भी अच्छा हो सकेगा।

नगरपालिका में हुई कार्यशाला

नगरपालिका में वूमेन्स फॉर ट्री एन अमृत मित्र इनीसिएटिव योजना के तहत कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला को वन विभाग के एसडीओ मानसिंह मरावी ने संबोधित किया। जिसमें शहर के विभिन्न स्वसहायता समूहों की महिलाएं शामिल हुईं। यहां एसडीओ मरावी ने योजना की जानकारी महिलाओं को दी। इसके अलावा उन्होंने बताया कि महिलाओं को किस तरह से और कौन से पौधे कहां लगाए जा सकते हैं कि जानकारी दी गई। इस दौरान नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, कार्यालय अधीक्षक राजेंद्र शर्मा, वार्ड 8 पार्षद प्रतिनिधि राजकुमार बाबरिया सहित अन्य मौजूद थे।

5 जून से योजना का शुभारंभ

वन विभाग के एसडीओ मानसिंह मरावी ने बताया कि पूरे प्रदेश में 05 जून से योजना का शुभारंभ होगा। वन विभाग 5 लाख पौधे लगाएगा और अन्य सभी विभागों के साथ मिलकर लगभग 1 करोड पौधे पूरे प्रदेश में लगाए जाएंगे। नपाध्यक्ष चौरे ने बताया कि अभी शहर में अमृत 2.0 योजना के तहत दो पार्क व एक तालाब का सौंदर्यीकरण हो रहा है, यहां पर प्रथम चरण में पौधरोपण महिलाएं करेंगी।

बाढ़ जैसे हालातों से निपटने सम्पूर्ण बचाव, राहत एवं सुरक्षात्मक तैयारियां करें: कलेक्टर

छतरपुर। मंगलवार को कलेक्टर पार्थ जैसवाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित वीसी कक्ष में बारिश से पूर्व तैयारियों के लिए बाढ़ राहत एवं आपदा प्रबंधन की बैठक संपन्न हुई। बैठक में एएसपी विदिता डागर, डिप्टी कलेक्टर विशा माधवानी एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे एवं व्ही.सी. के माध्यम से एसडीएम, तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी जुड़े रहे।

बैठक में कलेक्टर श्री जैसवाल ने बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। साथ ही बारिश से पूर्व सम्पूर्ण तैयारियों और व्यवस्थाओं के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर ने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि बारिश को देखते हुए सभी ब्लॉक स्तर पर कंट्रोल रुम स्थापित किए जाएं। बाढ़ से प्रभावित ग्रामों की सूची जल संसाधन विभाग से प्राप्त करें और बाढ़ प्रभावित ग्रामों में सचिव, सहित अन्य स्थानीय कर्मचारियों को कंट्रोल रूम की जानकारी दें।

उन्होंने कहा कि नाले नालियों, पुल पुलियों, नदियों, तालाबों आदि में जलमग्न की स्थिति निर्मित होती है, तो वहां सुरक्षात्मक कार्य जिसमें बैरिकेडिंग करें। बाढ़ प्रभावित ग्रामों में ट्रैक्टर, टायर का मोबेलाइजेशन सुचारू रहे एवं तैराकों एवं होमगार्ड के मोबाईल नंबरों की सूची जिसमें मोबाइल नंबर एवं पते की जानकारी सभी एसडीएम कार्यालय में तैयार रखें। साथ ही 4, 5 लोगों के मोबाइल नंबर का कम्युनिकेशन प्लान भी बनाएं। उन्होंने कहा कि जलाशयों में बढ़ते स्तर की तत्काल सूचना आमजन को मिले। कलेक्टर ने अस्थाई राहत कैंप स्कूल, सामुदायिक भवन, का चिन्हांकन करने के निर्देश दिए जिससे बाढ़ की स्थिति में बचाव कार्य किए जा सके। साथ ही बीमारी से रोकथाम के लिए पानी के स्रोतों पर ब्लीचिंग पावडर का छिड़काव कराने के ईई पीएचई को निर्देश दिए।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित के लिए दवाइयां, एवं अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने के की तैयारी के लिए निर्देशित किया, बारिश से पशुओं में फैलने वाली बीमारी को लेकर पशु चिकित्सा अधिकारी को तैयारी करने के निर्देश दिए। साथ ही बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में नावों एवं नाविकों की सूची तैयार रखने के लिए कहा।

मध्यप्रदेश के नौगांव को मिलने जा रहा है 20 मीटर चौड़ा आरओबी 2 किमी लंबा ब्रिज बदल देगा यातायात का नक्शा

नौगांव। मध्यप्रदेश के नौगांव में 2 किमी लंबा और 20 मीटर चौड़ा आरओबी बनाया जा रहा है, जो रेलवे स्टेशन को ऊपर से पार करेगा और ट्रैफिक को आसान बनाएगा। इंदौर-दाहोद रेल परियोजना सहित कई इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को बजट मिल चुका है, वहीं धार-नागदा मार्ग पर डायवर्जन मार्ग भी तैयार कर लिया गया है।

मध्यप्रदेश में सड़क और रेल परियोजनाओं को गति देने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य जारी है। इसी क्रम में नौगांव क्षेत्र में एक बड़े रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) का निर्माण तेजी से किया जा रहा है।

यह आरओबी करीब 2 किलोमीटर लंबा और 20 मीटर चौड़ा होगा, जिसे आधुनिक तकनीक और संरचनात्मक मजबूती के साथ तैयार किया जा रहा है। यह ब्रिज रेल स्टेशन के ऊपर से होकर गुज़रेगा, जिससे नीचे से रेल आवाजाही संभव हो पाएगी और ऊपर से सुगम यातायात बहाल रहेगा।

इंदौर-दाहोद रेल प्रोजेक्ट को मिला बजट

इंदौर से दाहोद तक की रेल परियोजना अब क्रियान्वयन की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रही है। परियोजना से संबंधित आरओबी के लिए खुदाई कार्य शुरू कर दिया गया है, जिसमें डिगिंग मशीनों की सहायता से कॉलम के लिए गड्ढे खोदे जा रहे हैं। वहीं यातायात को डायवर्ट कर लोगों को सुरक्षित मार्ग प्रदान किया गया है। इस प्रोजेक्ट की महत्ता को देखते हुए रेलवे ने बजट भी आवंटित कर दिया है। इंदौर-दाहोद रेलमार्ग को 523.87 करोड़ रुपए और छोटा उदयपुर-धार परियोजना को 102.90 करोड़ रुपए यानी कुल मिलाकर 626.77 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं।

इंदौर-अहमदाबाद नेशनल हाईवे पर आरओबी का 95 प्रतिशत काम पूरा

इंदौर-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर बन रहे आरओबी की एक लेन का 95 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। यह ब्रिज न केवल हाईवे को जोड़ेगा बल्कि ट्रैफिक की भीड़ को भी संतुलित करेगा। इस आरओबी का निर्माण बेहद रणनीतिक ढंग से किया जा रहा है ताकि आने-जाने वाले यात्रियों को सुविधा मिले और सड़क यातायात में कोई बड़ी रुकावट न आए।

धार रेलवे स्टेशन तक यातायात के लिए तैयार हो रहा आधुनिक त्रिकोणीय ब्रिज

धार में रेलवे स्टेशन को शहर के प्रमुख मार्गों से जोड़ने के लिए एक त्रिकोणीय ढांचे वाले आरओबी का निर्माण किया जा रहा है। यह ब्रिज फ्लाईओवर से कनेक्ट होगा जिसे करीब एक दशक पहले सड़क विकास निगम द्वारा तैयार किया गया था। नया ब्रिज फोरलेन की श्रेणी में बनेगा और इसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप डिज़ाइन किया गया है, जिससे इंदौर-अहमदाबाद नेशनल हाईवे, धार-नागदा मार्ग और रेलवे स्टेशन मार्ग पर ट्रैफिक का दबाव नियंत्रित रहेगा।

डायवर्जन मार्ग से नागरिकों को मिलेगी राहत

आरओबी निर्माण के चलते आम जनता को असुविधा न हो, इसके लिए प्रशासन ने धार-नागदा मार्ग पर वैकल्पिक डायवर्जन मार्ग तैयार किया है। इस अस्थायी रास्ते से लोगों को न केवल सुगम यात्रा की सुविधा मिलेगी, बल्कि निर्माण कार्य भी बिना किसी बाधा के पूर्ण किया जा सकेगा।

मुख्य मार्ग हो या रहवासी इलाके पूरे में लगा गंदगी का अंबार

वार्डो में जगह-जगह कूड़े कचरे के ढेर से रहवासी परेशान

बैरसिया। मानसून आने में कुछ ही दिन का समय बचा हुआ है इन दिनों न हीं नगर के नालों की सफाई हो रही है और ना ही जगह-जगह लगने वाले कचरो को ढेर को हटाया जा रहा है नगर पालिका कचरा इकट्ठा करती तो है परंतु उन्हें वार्ड के किसी कोने में इकट्ठा करके फेंक दिया जाता है य जला दिया जाता है वहीं शहर में इन दिनों जगह जगह-जगह गंदगी का अंबार लगा हुआ है शहर में मुख्य बस स्टैंड के अंदर खुलेआम दुकानदार गंदगी फैला रहे हैं शाम होते ही गंदगी को आवारा मवेशियों के सामने डाल दिया जाता है खुलेआम गंदा पानी नगर पालिका की बनी शेड दुकानों के सामने बहा दिया जाता है जिससे यात्रीगणो को आने जाने में सुविधा होती है वही शाम होते ही शहर के मुख्य मार्गों पर दुकानदारों द्वारा अपना कचरा ऐसे ही फेंक देते हैं जिससे जगह-जगह कचरो का ढेर दिखने लगता है शहर में कचरा गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ किसी भी तरह की कोई कार्रवाई नहीं होती जहां देखो दुकानदार अपनी दुकानों के आगे कचरा फेक कर चले जाते हैं वही कुछ जगह तो ऐसी है जहां से आप खाने पीने की चीजों को लेते तो है पर वहां की गंदगी का हाल भयानक है नगर में चाऊमीन सेंटर द्वारा फैलाई गई गंदगी का अंबार देखा जा सकता

है वही नगर के मुख्य मार्गों पर गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ नगर पालिका किसी भी तरीके कार्रवाई नहीं करती आने वाले समय में जब बारिश का मौसम आने वाला होगा तब यही गंदगी नालों में फसकर शहर के नालों को बंद कर देगी इससे गंदा पानी सड़क पर से निकलने लगेगा

वहीं शहर बैरसिया के वार्ड-16 में एसडीएम कार्यालय के पीछे, इन दिनों गंदगी और बदबू का ऐसा अंबार लगा हुआ है कि वहाँ रहना तो दूर, गुजरना भी मुश्किल हो गया है। इस क्षेत्र की भयावह स्थिति को देखकर यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि यह क्षेत्र प्रशासन की आंखों से ओझल हो चुका है।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इसी जगह दो आंगनबाड़ी केंद्र संचालित होते हैं, जहाँ रोज़ाना छोटे-छोटे बच्चे शिक्षा और पोषण के लिए आते हैं। आसपास की नीलकंठ कॉलोनी और जैन कॉलोनी के लोग इसी मार्ग से पैदल आवाजाही करते हैं। शाम होते ही यहाँ बच्चे खेलते और टहलते हैं, लेकिन उन्हें शायद यह अंदाज़ा नहीं कि उनके क़दमों के नीचे गंदगी और संक्रमण का खतरा मंडरा रहा है वही नगर के विभिन्न वार्ड है जिनमें कचरा उठाया तो जाता है पर उन्हें किसी सुनिश्चित जगह पर फेका नहीं जाता वही वार्ड के किसी कोने में कचरे का ढेर लगा दिया जाता है जिससे शहर की सुंदरता पर कूड़े कचरे का ग्रहण लगा हुआ दिखता है वही नगर प्रशासन द्वारा स्वच्छता के प्रति चलाए गए अभियानों से देखकर यही अंदाज़ लगाया जा सकता है कि यह सिर्फ अभियान दिखावे तक ही सीमित रह गया है वही नगर प्रशासन को ठोस कदम उठाने की जरूरत है ताकि शहर की स्वच्छता को बरकरार रखा जा सके।

देव आईटी का मुनाफा 56 प्रतिशत उछला

मुंबई, एजेंसी। देव इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी लिमिटेड, एक वैश्विक आईटी सेवा कंपनी जो क्लाउड सेवाएं, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, एंटरप्राइज एप्लिकेशन और प्रबंधित आईटी सेवाएं प्रदान करती है, और टैलीजेंस और बाइटसाइनर जैसे उत्पादों के साथ, ने वित्तीय वर्ष 2025 के लिए अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है।एफवाय25 समेकित मुख्य वित्तीय मुख्य बिंदु - कुल आय 1,839.09 करोड़, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 11.38 प्रतिशत, ईबीआईटीडीए 237.18 करोड़, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 54.91 प्रतिशत, ईबीआईटीडीए मार्जिन (प्रतिशत) 12.90 प्रतिशत, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 362 बेसिस पॉइंट्स, शुद्ध लाभ 147.80 करोड़, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 55.98 प्रतिशत, शुद्ध लाभ मार्जिन (प्रतिशत) 8.04 प्रतिशत, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 230 बेसिस पॉइंट्स प्रति शेयर आय 6.60, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 57.89 प्रतिशत है।

नेटवर्क पीपल सर्विसेस टेक्नोलॉजीज ने वित्त वर्ष 2025 में शानदार प्रदर्शन किया

मुंबई, एजेंसी। नेटवर्क पीपल सर्विसेस टेक्नोलॉजीज, एक अग्रणी डिजिटल पेमेंट और फिनटेक इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रदाता, ने वित्त वर्ष 2025 में शानदार प्रदर्शन किया है। कंपनी का कर पश्चात लाभ बढ़कर 45.20 करोड़ हो गया, जबकि राजस्व 180.62 करोड़ तक पहुंच गया। नवाचार, बाजार विस्तार और परिचालन उत्कृष्टता पर कंपनी का रणनीतिक फोकस उसके विकास को तेजी से आगे बढ़ा रहा है। एनपीएसटी के सह-संस्थापक एवं सीईओ दीपक चंद ठाकुर ने कहा, एफवाय25 हमारे लिए एक निर्णायक वर्ष रहा। हमने अपने इनोवेट, ट्रांसफॉर्म और ग्रो रणनीति के तहत एक व्यापक विकास एजेंडा शुरू किया। यह वर्ष उत्पाद नवाचार, ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण, प्रतिभा विकास और चुस्ती पर केंद्रित था – जो दीर्घकालिक संगठनात्मक सफलता की दिशा में प्रेरित है। सह-संस्थापक और कार्यकारी निदेशक, सविता वशिष्ठ ने कहा, एफवाय25 में हमारी मजबूत वित्तीय उपलब्धि नवाचार-संचालित और निष्पादन-केंद्रित दृष्टिकोण का परिणाम है। इस सकारात्मक गति को आगे बढ़ाते हुए हमने रणनीतिक रूप से उच्च-विकास वाले मध्य पूर्व और उत्तर अफ्रीका बाजारों में विस्तार किया है। यह दूरदर्शी कदम विकास को स्केल करने और हमारे प्रभाव क्षेत्र को व्यापक बनाने की दिशा में है।

फोकस लाइटिंग एंड फिक्स्चर ने वित्त वर्ष 25 में 186 करोड़ की कुल आय दर्ज की

मुंबई, एजेंसी। एलईडी लाइट्स और फिक्स्चर के विनिर्माण और अभिनव प्रकाश समाधान में लगे फोकस लाइटिंग एंड फिक्स्चर लिमिटेड (एनएसई - फोकस) ने वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 2025 के लिए अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की। फोकस लाइटिंग एंड फिक्स्चर के प्रबंध निदेशक, अमित शेठ ने कहा, हमने अपने व्यवसाय खंडों में स्थिर प्रगति के साथ एफवाय25 का समापन किया, निष्पादन, ग्राहक संबंधों और उत्पाद नवाचार पर हमारे फोकस ने हमें निजी और सरकारी दोनों ग्राहकों से उल्लेखनीय जीत के साथ अपनी ऑर्डर बुक का विस्तार करने में मदद की। प्रतिष्ठित बुनियादी ढाँचे के खिलाड़ियों से अनुबंध हासिल करना और एक प्रमुख राज्य सरकार के विभाग द्वारा सूचीबद्ध होना सार्वजनिक क्षेत्र और बड़े पैमाने की परियोजनाओं में हमारी स्थिति को मजबूत करता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, हमने अपनी सहायक कंपनी के माध्यम से ऑर्डर के माध्यम से मध्य पूर्व में अपनी उपस्थिति को गहरा किया, नवाचार के मोर्चे पर, हमारी पेटेंट खुदरा प्रकाश तकनीक, जो ऊर्जा दक्षता को बढ़ाती है और फिक्स्चर आवश्यकताओं को कम करती है, ने प्रमुख खुदरा ब्रांडों के साथ मजबूत गति प्राप्त की है।

गंगा बाथ फिटिंग्स लिमिटेड का आईपीओ आज खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। गंगा बाथ फिटिंग्स लिमिटेड (कंपनी, गंगा), जो बाथरूम एक्सेसरीज का एक विस्तृत श्रृंखला का निर्माण करती है, बुधवार, 4 जून 2025 को अपना प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम खोलने जा रही है। इस आईपीओ के माध्यम से कंपनी 32.65 करोड़ (ऊपरी प्राइस बैंड के अनुसार) जुटाने की योजना बना रही है। कंपनी के शेयर एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किए जाएंगे। इस इश्यू का बुक रनिंग लीड मैनेजर है जावा कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, और रजिस्ट्रार है केफिनटेक टेक्नोलॉजीज लिमिटेड। गंगा बाथ फिटिंग्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री जिमी तुषारकुमार तिलवा ने कहा- हम अपने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम की घोषणा करते हुए अत्यंत हर्षित हैं – यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो कंपनी की यात्रा को दर्शाता है कि कैसे एक घरेलू निर्माता से हम भारतीय सैनिटरीवेयर उद्योग के एक प्रमुख खिलाड़ी बन गए हैं। वर्षों से, हमने गुणवत्तायुक्त और विविध उत्पाद पोर्टफोलियो तैयार किया है, जिसे हम अपने इन-हाउस ब्रांड्स, ओईएम साझेदारियों और ट्रेडिंग गतिविधियों के माध्यम से ग्राहकों तक पहुंचाते हैं।

दिल्ली ने मेड इन डब्ल्यूयूडी (एमआईडब्ल्यू) डिजाइन विद्यार्थियों के भव्य ग्रेजुएट शो की मेजबानी की

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में रचनात्मकता और नवाचार का शानदार उत्सव हुआ जिसमें इंडिया हैबिटेट सेंटर की दृश्य कला वीथिका में 30 मई से एक जून तक चले मेड इन डब्ल्यूयूडी (एमआईडब्ल्यू) शो के प्रथम संस्करण में वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन (डब्ल्यूयूडी) से स्नातक की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों ने अपनी रचनाएं प्रदर्शित कीं। इस आयोजन में डिजाइन, आर्किटेक्चर, फैशन, विजुअल आर्ट्स, कम्युनिकेशन, इंटीरियर्स, एनिमेशन और परफॉर्मिंग आर्ट्स में स्नातक कर रहे 50 से अधिक विद्यार्थियों ने अपनी परियोजनाएं प्रस्तुत कीं। इस प्रदर्शनी में स्कूल ऑफ फैशन से विद्यार्थियों ने ऐसे साहसिक और आगे की सोच वाले संग्रह प्रस्तुत किए जो पहचान, टिकाऊपन और किस्सागोई पर केंद्रित थे। उनके कार्यों में मॉड्यूलर यूटिलिटी वियर, बचे हुए फैब्रिक्स से बने सर्कुलर किड्सवियर, पारंपरिक ब्लॉक प्रिंटिंग पर नए सिरे से कार्य और भूमिगत उपसंस्कृति से प्रेरित मेन्सवियर शामिल थे। इन संग्रहों में नए विचारों के साथ शिल्पकौशल का मेल देखने को मिला। वहीं उद्योग के साथ गठबंधन ने विद्यार्थियों को वास्तविक दुनिया के अनुभव से परिचय कराया और अधिक सार्थक और उद्देश्यपूर्ण फैशन की दिशा में रुख सामने आया। इस बीच, स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर ने ऐसी अनूठी परियोजनाएं पेश की जिनमें जगह और टिकाऊपन के बारे में नए तरीके से सोचना की संभावनाएं तलाशी गईं।

एथर रिज्टा की 1 लाख से अधिक यूनिट्स बिकीं

बैंगलुरू, एजेंसी। भारत के प्रमुख इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माता, एथर एनर्जी लिमिटेड के फैमिली स्कूटर, रिज्टा की 1 लाख से अधिक यूनिट बिक चुकी हैं। रिज्टा ने बाजार में उतरने के एक साल के अंदर यह उपलब्धि हासिल कर ली है। यह इलेक्ट्रिक स्कूटर अप्रैल, 2024 में लॉन्च किया गया था। रिज्टा को भारत में फैमिली स्कूटर के ग्राहकों ने बहुत पसंद किया है, जिन्होंने एथर के बाजार अंश को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस उपलब्धि के बारे में रवनीत फोकेला, चीफ बिज़नेस ऑफिसर, एथर एनर्जी ने कहा, ''रिज्टा की 1 लाख से अधिक यूनिट्स का बिकना हमारे लिए एक बड़ी उपलब्धि है। रिज्टा का निर्माण भारतीय परिवारों की जरूरतों को पूरा करने के लिए किया गया है। इसने हमें बड़ी संख्या में ग्राहकों तक पहुँचाकर हमारा विस्तार करने में अहम भूमिका निभाई है। इसमें वह हर विशेषता मौजूद है, जो एक फैमिली स्कूटर में होनी चाहिए। इसकी सीट विशाल और आरामदायक है। पर्याप्त स्टोरेज मिलता है। बेहतरीन सुरक्षा विशेषताएं हैं और यह विश्वसनीय है, जिससे दैनिक आवागमन आसान हो जाता है। ये सभी विशेषताएं एक बेहतरीन डिज़ाइन में दी गई हैं, जिसके लिए एथर मशहूर है। एथर रिज्टा ने अपने लॉन्च के एक साल के अंदर ही हमें विभिन्न राज्यों में अपना बाजार अंश बढ़ाने में समर्थ बनाया। इसने हमारे कंज़्यूमर प्रोफाईल का विस्तार किया तथा उन राज्यों में भी एथर रिज्टा का एडॉप्शन बढ़ा, जहाँ पहले हमारी पहुँच सीमित थी।'' थर के पहले फैमिली स्कूटर, रिज्टा ने एथर के प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। इसने देश में एक विशाल कंज़्यूमर सेगमेंट को सेवाएं देने में मुख्य भूमिका निभाई है। वित्तवर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में रिज्टा की डिलीवरी शुरू होने के बाद मुख्य राज्यों - गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, ओडिशा और छत्तीसगढ़ में एथर का बाजार अंश काफी बढ़ गया है। लॉन्च के बाद रिज्टा ज्यादातर खरीददारों की पहली पसंद बन गया है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने राज्य सिविल सेवाओं से IAS बने अधिकारियों को संबोधित किया

अधिकारी अपने प्रयासों को समावेशी विकास के लक्ष्य से जोड़े

नई दिल्ली। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कल राज्य सिविल सेवाओं से नियुक्त भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को संबोधित किया, जो वर्तमान में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में 127वें प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। अधिकारियों ने अपने प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मुलाकात की।

अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने इन अधिकारियों द्वारा राज्य सिविल सेवाओं में अपनी भूमिकाओं से लाए गए महत्वपूर्ण जमीनी अनुभव पर प्रकाश डाला, जहाँ उन्होंने समुदायों के साथ मिलकर काम किया और क्षेत्र-विशिष्ट प्राथमिकताओं को लागू किया। अब, अखिल भारतीय सेवा के सदस्यों के रूप में, उन्होंने कहा कि उनकी भूमिकाएँ दायरे और जटिलता दोनों में विस्तारित होंगी, जिसके लिए उन्हें शासन के राष्ट्रीय मानकों का पालन करना होगा।

2047 तक विकसित भारत के राष्ट्रीय दृष्टिकोण पर जोर देते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने अधिकारियों से अपने प्रयासों को समावेशी विकास के लक्ष्य के साथ जोड़ने का आग्रह किया, खासकर यह सुनिश्चित करके कि हाशिए पर पड़े और कमजोर वर्ग भारत की विकास यात्रा में पीछे न छूट जाएं। उन्होंने कहा, ÷जब गरीब और वंचित विकास और समृद्धि का अनुभव करते हैं, तो हम एक विकसित भारत के सपने को साकार करने के करीब पहुंचते हैं। राष्ट्रपति ने लोक प्रशासन में प्रौद्योगिकी और नवाचार के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को कुशल, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित शासन बनाने के लिए एआई, ई-गवर्नेंस टूल और डिजिटल फीडबैक सिस्टम का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही, उन्होंने उन्हें ढ्ढस् के मूल मूल्यों- ईमानदारी, पारदर्शिता, जवाबदेही, सहानुभूति और निष्पक्षता को बनाए रखने की सलाह दी।

IPL में भी नंबर 1 बना इंदौर, रजत पाटीदार की कप्तानी में RCB ने जीता अपना पहला आईपीएल खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में अपना पहला खिताब जीतने में सफलता हासिल की है। मंगलवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में टीम ने पंजाब किंग्स को 6 रन से पराजित किया। इसी के साथ आईपीएल के 18वें सीजन को उसका आठवां चैंपियन मिल गया है। 24 रन बनाए, उनका स्ट्राइक रेट 240 रहा। गेंदबाजी में क्रुणाल पंड्या ने किफायती प्रदर्शन करते हुए 17 रन देकर 2 विकेट झटके, जबकि भुवनेश्वर कुमार ने भी 2 बल्लेबाजों को आउट किया। पंजाब की ओर से अर्शदीप सिंह और काइल जैमिसन ने 3-3 विकेट हासिल किए। RCB की टीम अब IPL इतिहास की आठवीं

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में पंजाब किंग्स को 191 रन का लक्ष्य मिला, लेकिन टीम 184 रन तक ही पहुंच सकी। बेंगलुरु के लिए विराट कोहली ने 35 गेंदों पर 43 रन की अहम पारी खेली। वहीं, जितेश शर्मा ने तेजतर्रार बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 10 गेंदों में चैंपियन बन गई है। इससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस ने पांच-पांच बार खिताब जीता है। कोलकाता नाइट राइडर्स तीन बार चैंपियन रह चुकी है, जबकि राजस्थान रॉयल्स, डेक्कन चार्जर्स, सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात जायंट्स ने एक-एक बार खिताब अपने नाम किया है।

2001 बैच के IAS अधिकारी जम्मू कश्मीर के CEO नियुक्त

नई दिल्ली। भारतीय प्रशासनिक सेवा में 2001 बैच के IAS अधिकारी संजीव वर्मा जम्मू कश्मीर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। जम्मू और कश्मीर सरकार ने ढ्ढस् अधिकारी संजीव वर्मा को केंद्र शासित प्रदेश का नया मुख्य निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया है। वे पांडुरंग के पोल का स्थान लेंगे, जिन्हें हाल ही में गृह मंत्रालय द्वारा दिल्ली स्थानांतरित किया गया था। पोल फरवरी 2023 से CEO के रूप में कार्यरत थे। संजीव वर्मा इससे पहले जम्मू के संभागीय आयुक्त और सामान्य प्रशासन विभाग के आयुक्त सचिव सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं। CEO की भूमिका के अलावा वर्मा सरकार के चुनाव विभाग के आयुक्त सचिव के रूप में भी काम करेंगे।

सोना हुआ महंगा, चांदी में भी तेजी, जानें अपने शहर में 22 और 24 कैरट के ताजा भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप जून महीने में सोना या चांदी खरीदने जा रहे हैं, तो इससे पहले 4 जून 2025 के ताज़ा बाजार भाव पर नज़र डालना ज़रूरी है। बुधवार को सर्राफा बाजार में कीमती धातुओं की कीमतों में तेज़ उछाल देखा गया। सोने की कीमत में 260 रुपए प्रति 10 ग्राम की वृद्धि हुई, जबकि चांदी के दामों में 1190 रुपए प्रति किलो का इजाफा दर्ज किया गया। इस तेजी के साथ 24 कैरेट सोना 99,320 रुपए प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,050 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं 18 कैरेट सोना अब 74,500 रुपए प्रति 10 ग्राम की दर से बिक रहा है। चांदी की बात करें तो इसका भाव 1,02,000 रुपए प्रति किलो के पार चला गया है।

18 कैरेट सोने की बात करें तो दिल्ली में आज इसका भाव 74,500 रुपए प्रति 10 ग्राम है। कोलकाता और मुंबई में यह थोड़ा कम 74,380 रुपए पर उपलब्ध है, जबकि इंदौर और भोपाल में इसकी कीमत 74,420 रुपए प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। चेन्नई में सोने की कीमत सबसे अधिक 74,780 रुपए पर ट्रेंड कर रही है।

22 कैरेट सोना, जो आमतौर पर आभूषणों में सबसे अधिक उपयोग होता है, वह भोपाल और इंदौर में 90,950 रुपए प्रति 10 ग्राम पर उपलब्ध है। दिल्ली, जयपुर और लखनऊ जैसे शहरों में इसकी कीमत 91,050 रुपए तक पहुंच गई है। वहीं हैदराबाद, केरल, कोलकाता और मुंबई में यह 90,900 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है। 24 कैरेट शुद्ध सोने की बात करें तो भोपाल और इंदौर में इसकी कीमत 99,220 रुपए है, जबकि दिल्ली, जयपुर, लखनऊ और चंडीगढ़ में यह 99,320 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच चुका है। हैदराबाद, केरल, बेंगलुरु, मुंबई और चेन्नई में यह थोड़ा कम 99,170 रुपए प्रति 10 ग्राम पर ट्रेंड कर रहा है। अब बात करें चांदी की, तो बुधवार को इसकी कीमतों में भी भारी उछाल देखने को मिला है। दिल्ली, जयपुर, लखनऊ, अहमदाबाद, कोलकाता और मुंबई जैसे बड़े बाजारों में चांदी की कीमत 1,02,000 रुपए प्रति किलो के स्तर पर बनी हुई है। जबकि चेन्नई, मदुरै, हैदराबाद और केरल में यह भाव 1,13,000 रुपए प्रति किलो तक पहुंच चुका है। मध्यप्रदेश के भोपाल और इंदौर में चांदी आज भी 1,02,000 रुपए प्रति किलो पर ट्रेंड कर रही है।

पाकिस्तानी सीमा के पास आज फिर दिखेगी वायु सेना की ताकत, अभ्यास के लिए जारी किया गया NOTAM

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तानी सीमा के पास आज फिर भारतीय वायु सेना की ताकत दिखेगी. भारतीय वायुसेना ने आज पाकिस्तान सीमा से सटे दक्षिणी क्षेत्र में एक अहम वायुसेना अभ्यास के लिए ह्हृञ्जरू जारी किया है. इस दौरान एक तय एयरस्पेस को आम हवाई यातायात के लिए बंद रखा जाएगा. यह एयरस्पेस रिजर्वेशन गुजरात के राजकोट के पास स्थित क्षेत्र में किया गया है, जो पाकिस्तान की सीमा से करीब 100 किलोमीटर दूर है. यह क्षेत्र अरब सागर से सटा हुआ है और स्ट्रेटेजिक तौर पर बेहद अहम माना जाता है.

कब से कब तक होगा?

शुरू (ढ्ढस्ञ्ज)÷ 04 जून 2025, दोपहर 3÷30 बजे खत्म (ढ्ढस्ञ्ज)÷ 04 जून 2025, रात 9÷00 बजे इस दौरान भारतीय वायुसेना अपनी युद्धक क्षमताओं और तैयारियों को परखने के लिए विशेष अभ्यास करेगी.

पाकिस्तान सीमा से सटे इस क्षेत्र में किया गया यह अभ्यास, ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की रणनीतिक सतर्कता और तैयारी को दिखाता है. इस अभ्यास में राफेल, सुखोई-30 और जगुआर जेट सहित फ्रंटलाइन फाइटर एयरक्राफ्ट शामिल होंगे और इसका मकसद भारतीय वायुसेना की युद्धक तैयारी को बढ़ाना है.

ह्हृञ्जरू(नोटिस टू एयरमेन) एक कम्युनिकेशन टूल है जिसका इस्तेमाल विमानों में पायलटों, हवाई यातायात नियंत्रकों और अन्य विमान कर्मियों को जरूरी जानकारी देने के लिए किया जाता है. यह अस्थायी परिवर्तनों या खतरों पर अपडेट देता है जो उड़ान संचालन को प्रभावित कर सकते हैं, जैसे बंद रनवे, मौसम की स्थिति या सैन्य अभ्यास. ह्हृञ्जरू का प्राथमिक मकसद सभी संबंधित पक्षों को वास्तविक समय में सूचित रखकर उड़ान सुरक्षा सुनिश्चित करना है. इससे पहले पिछले महीने भारतीय वायुसेना ने 7 और 8 मई को होने वाले भारत-पाकिस्तान सीमा के दक्षिणी सेक्शन पर बड़े पैमाने पर हवाई अभ्यास के लिए एक नोटम जारी किया था. यह अभ्यास, भारत की नियमित परिचालन तैयारी अभ्यास का हिस्सा था, जिसमें राजस्थान में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर युद्धाभ्यास शामिल था. इस अभ्यास में राफेल, मिराज 2000 और सुखोई-30 जैसे सभी फ्रंटलाइन विमान शामिल थे.

ये है छत्तीसगढ़ की सबसे रहस्यमयी सब्जी, कीमत है 2000 रुपए किलो

रायपुर। गौलेरा-पेंड्रा-मरवाही के जंगलों में बारिश के समय एक खास सब्जी का उत्पादन होता है जो प्रदेश की सबसे महंगी सब्जियों में से एक मानी जाती है 2000 रूपए किलों में बिकने वाली इस सब्जी को लोग काला सोना भी कहते हैं। इसे छत्तीसगढ़ के कुछ क्षेत्रों में रुगड़ा या बोड़ा भी कहा जाता है। ज्यादातर लोग इस सब्जी को पूटु के नाम से जानते हैं। ग्रामीण इलाके से लेकर शहरों तक लोग इसका स्वाद चखने के लिए पूरे साल इंतजार करते हैं। आमतौर पर ये सब्जी जून के आखरी सप्ताह में मिलती है लेकिन इस बार इस सब्जी का उत्पादन 20 दिन पहले ही हो गया।

बता दें कि पूटु एक प्रकार का मशरूम है, जो दिखने में गोल और खाने में काफी स्वादिष्ट होता है। इसका उत्पादन प्राकृतिक होता है। सरई के जंगलों में भुरभुरी मिट्टी में उगी इस सब्जी में ना कोई बीज होती है ना ही कोई दाना इसलिए इस सब्जी का उत्पादन नहीं किया जा सकता साल सरई के जंगलों में पत्तों के सड़ने से बने कवक से ये सब्जियां तैयार होती हैं। पूटु सब्जी की सबसे खास बात यह है कि यह उमस की वजह से यह जमीन से बाहर निकल आती है और हल्की बारिश की वजह से यह जमीन पर दिखने लगती है। गांव की महिलाएं लकड़ी की मदद से इस सब्जी को बाहर निकालती हैं।

दिखने में मटमैला और मिट्टी से सना हुआ पूटु दिखने में सस्ता लगता है लेकिन इसकी कीमत सुनकर लोग हैरान हो जाते हैं। शहरी क्षेत्रों में इस सब्जी की काफी मांग होती है और इसकी शुरूआती कीमत 2000 रूपए किलो हैं। इस सब्जी की सबसे खास बात यह है कि जब मॉनसून की पहली बारिश होती है तो ये अपने-आप ही उगने लगती है और वर्ष में सिर्फ एक बार ही ये सब्जी बाजार में उपलब्ध होती है।

प्रभास की फिल्म द राजा साहब सिनेमाघरों में दस्तक देगी 5 दिसंबर को

इंतज़ार खत्म हुआ! महीनों की चर्चाओं और कयासों के बाद, द राजा साहब के मेकर्स ने इसकी भव्य थिएट्रिकल रिलीज़ की तारीख फाइनल कर दी है÷ 5 दिसंबर। एक्साइटमेंट को और बढ़ाते हुए, टीज़र इस 16 जून को रिलीज़ होने वाला है। जो दर्शकों को इस हटके एंटरटेनर की पहली झलक देगा! एक नए अंदाज़ में नजर आने वाले प्रभास द राजा साहब में लीड रोल निभा रहे है। यह उनका पहला पूरा हॉरर एंटरटेनर है। यह एक बोल्ड कदम है, जो उनकी लगातार बदलती एक्टिंग जर्नी और बेखौफ स्टोरीटेलिंग को दिखाता है। पहले मोशन पोस्टर ने ही अलौकिक ट्विस्ट और पुराने ज़माने के चार्म का ज़बरदस्त मिक्स दिखाकर सबका ध्यान खींच लिया था।

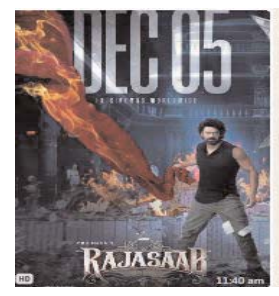

ह्यूमर और इमोशन के अनोखे मेल के लिए मशहूर मारुथी के निर्देशन में बनी द राजा साहब एक डरावनी लेकिन जबरदस्त एंटरटेनमेंट से भरपूर फिल्म होने का वादा करती है। अब तक आए हर पोस्टर और झलक ने दर्शकों को हैरान और उत्साहित कर दिया है। पीपुल मीडिया फैक्ट्री के सहयोग से बनी यह फिल्म एक शानदार विज़ुअल ट्रीट है, जिसे भव्य स्केल पर और बेहतरीन प्रोडक्शन वैल्यूज़ के साथ तैयार किया गया है। फिल्म के निर्माता हैं टी.जी. विश्व प्रसाद, सिनेमैटोग्राफी संभाल रहे हैं कार्तिक पलानी, और थमन एस दे रहे हैं एक धमाकेदार और ज़बरदस्त म्यूज़िक स्कोर, जिसका सबको बेसब्री से इंतज़ार है। कास्ट में शामिल हैं शानदार तिकड़ी मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल और ऋद्धि कुमार जो द राजा साहब की रहस्यमयी लेकिन रंगीन दुनिया में लाती हैं खूबसूरती, अंदाज़ और ताज़गी। जैसे ही 5 दिसंबर इंडियन सिनेमा के लिए ब्लॉकबस्टर महीना बनता जा रहा है, द राजा साहब खुद को एक बड़ा गेम चेंजर साबित करने को तैयार है। अब तक हर अपडेट ने जोश बढ़ाया है। और टीज़र कुछ ही दिन दूर है, तो माहौल फिर से गरम होने वाला है! तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में जबरदस्त पैन-इंडिया रिलीज़ के लिए तैयार द राजा साहब सिर्फ़ फिल्म नहीं, एक धमाकेदार थिएट्रिकल तूफ़ान है, जो हर हद को पार करने आया है! प्रभास का अलौकिक रोमांच, रोमांटिक बवाल, थिएट्रिकल धमाल 5 दिसंबर, हिम्मत है तो राजा साब की दुनिया में कदम रखो!

रोटरी क्लब भोपाल हिल्स, क्लब लर्निंग असेंबली 7 जून को आयोजित

भोपाल। रोटरी क्लब भोपाल हिल्स एक बार फिर नवाचार और नेतृत्व निर्माण की दिशा में उल्लेखनीय कदम उठाने जा रहा है। 7 जून शनिवार को होटल शुभ इन, भोपाल में शाम 7:30 बजे से क्लब लर्निंग असेंबली का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन क्लब के इतिहास में एक विशिष्ट अवसर के रूप में दर्ज किया जाएगा, जहां न केवल भविष्य की योजनाओं पर दृष्टिपात किया जाएगा, बल्कि नेतृत्व की नींव को और अधिक मजबूत किया जाएगा। यह आयोजन रोटरी क्लब भोपाल हिल्स के वर्तमान अध्यक्ष रोटेरियन बी. एस. अग्रवाल के नेतृत्व और संरक्षण में आयोजित हो रहा है, जिनके दिशा-निर्देश में क्लब निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। उनका मार्गदर्शन इस लर्निंग असेंबली को और अधिक प्रभावशाली एवं उद्देश्यपूर्ण बनाएगा। इस लर्निंग असेंबली का नेतृत्व क्लब के आगामी अध्यक्ष रोटेरियन हर्ष मित्तल करेंगे। यह आयोजन उनके दूरदर्शी सोच और संगठन को नई दिशा देने की प्रतिबद्धता का परिचायक है। इस विशेष शाम का समन्वय और प्रशिक्षण सत्र का संचालन क्लब के आगामी लर्निंग फैसिलिटेटर रोटेरियन कुणाल सिंघल द्वारा किया जाएगा। दोनों नेतृत्वकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत यह पहल न केवल एक नई परंपरा की शुरुआत है, बल्कि यह क्लब के प्रत्येक सदस्य को रोटरी के मूल्यों, जिम्मेदारियों और टीम वर्क की भावना से गहराई से जोड़ने का माध्यम भी बनेगी। रोटरी क्लब भोपाल हिल्स की यह लर्निंग असेंबली यह सिद्ध करती है कि जब नेतृत्व में दृष्टि होती है और टीम में समर्पण होता है, तो संस्था का हर कदम प्रेरणा बन जाता है। यह आयोजन एक साझा सफर की शुरुआत है – जहां सीखना, समझना और साथ बढ़ना ही सफलता की कुंजी है।

महिला वर्ल्ड कप का कार्यक्रम की घोषणा, इंदौर समेत भारत के 4 शहरों में मैच खेले जाएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला वर्ल्ड कप टूर्नामेंट 30 सितंबर से 2 नवंबर के बीच भारत के चार शहरों में खेला जाएगा। पहला मुकाबला 30 सितंबर को और फाइनल 2 नवंबर को रखा गया है। भारत की मेजबानी में होने वाले महिला वर्ल्ड कप 2025 के वेन्यू और तारीखों को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने तय कर दिया है। 30 सितंबर से यह टूर्नामेंट शुरू होगा और 2 नवंबर को फाइनल मैच खेला जाएगा। महिला वर्ल्ड कप 2025 भारत के चार और श्रीलंका के एक शहर में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया अभी महिला वर्ल्ड कप का डिफेंडिंग चैंपियन है।

पाकिस्तानी टीम इस टूर्नामेंट के लिए भारत नहीं आएगी और उसके सभी मुकाबले श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में खेले होंगे। भारत 12 साल बाद महिला वर्ल्ड कप की मेजबानी कर रहा है। अभी ऑस्ट्रेलिया इस फॉर्मेट का वर्ल्ड चैंपियन है। 2022 में न्यूजीलैंड की मेजबानी में हुए वर्ल्ड कप ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को फाइनल में हराकर जीता था। आईसीसी ने बताया कि महिला वर्ल्ड कप 2025 के मैच भारत में बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम, गुवाहाटी के एसीए स्टेडियम, इंदौर के होल्कर स्टेडियम और विशाखापत्तनम के एसीए-वीडीसीए स्टेडियम में खेले जाएंगे। वहीं श्रीलंका में कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में मैच रखे गए हैं। इस वेन्यू पर केवल पाकिस्तान के मुकाबले होंगे। 30 सितंबर को वर्ल्ड कप के उद्घाटन मुकाबले में भारत शामिल रहेगा। यह मैच बेंगलुरु में खेला जाएगा। अभी यह तय नहीं हुआ है कि भारत के सामने कौनसी विरोधी टीम होगी।

सेमीफाइनल-फाइनल यहां होंगे?

महिला वर्ल्ड कप 2025 का पहला सेमीफाइनल गुवाहाटी या कोलंबो में 29 अक्टूबर को रखा गया है। अगर पाकिस्तान सेमीफाइनल में गया, तो मैच कोलंबो में होगा नहीं तो गुवाहाटी में खेला जाएगा। दूसरा सेमीफाइनल 30 अक्टूबर को रहेगा और बेंगलुरु में खेला जाना है। भारत अगर सेमीफाइनल में पहुंचा तो दूसरे सेमीफाइनल में खेलेगा।

खिताबी मुकाबला 2 नवबर को बेंगलुरु या कोलंबो में प्रस्तावित है। पाकिस्तान के फाइनल में जाने पर ही कोलंबो में यह मुकाबला होगा नहीं तो बेंगलुरु ही मेजबानी करेगा।

महिला वर्ल्ड कप में कौनसी टीमें हिस्सा लेंगी

महिला वर्ल्ड कप 2025 में आठ टीमें हिस्सा लेंगी। इनमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, बांग्लादेश और पाकिस्तान शामिल है। ऑस्ट्रेलिया ने सबसे ज्यादा सात बार यह खिताब जीता है। भारत अभी तक इसे नहीं जीत सका है। उसका सबसे अच्छा प्रदर्शन 2017 में रहा था तब उसने फाइनल में जगह बनाई थी। लेकिन, इंग्लैंड ने खिताबी मुकाबले में हरा दिया था।

मोटरसाइकिल में लगी आग

अमरवाड़ा। नगर के शहीद चौक में खड़ी एक टू व्हीलर स्प्लेंडर में अज्ञात कारण की वजह से मंगलवार की रात्रि 7.30 बजे आग लग गई टू व्हीलर के मालिक शिक्षक मनमोहन सिंगारे खरीदारी करने आए थे और गाड़ी खड़ी कर दी थी तभी गाड़ी में आग लग गई आसपास के लोगों ने आग बुझाई।

कांग्रेस सेवादल में विभिन्न पदों पर हुई नियुक्तियां

छिन्दवाड़ा। कांग्रेस सेवादल में विभिन्न पदों पर नियुक्तियां की गई है। नवनियुक्त पदाधिकारियों को तत्काल प्रभाव से जिम्मेदारी सौंपी गई। नवनियुक्त पदाधिकारियों को माननीय कमलनाथ जी व माननीय नकुलनाथ के हस्ते नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। कांग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष सुरेश कपाले ने बताया कि कांग्रेस के वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों की सहमति उपरांत विभिन्न पदों पर नियुक्तियां की गई है, जिसमें आशीष पाल को कांग्रेस सेवादल आईटी सेल का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। पप्पू पाल को कांग्रेस सेवादल यंग बिग्रेड का विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। छिन्दवाड़ा ग्रामीण भाग एक में कांग्रेस सेवादल यंग बिग्रेड अध्यक्ष कुलदीप धुर्वे एवं भाग एक में ही दीपेश पाल को महासचिव के पद पर नियुक्त किया गया है।

वार्डों में जनसमस्या शिविर लगाएगी कांग्रेस

परासिया। विधानसभा क्षेत्र का शहर में व्याप्त जनसमस्याओं को लेकर में नगर कांग्रेस शीध्र ही वार्डों में जनसमस्या शिविर लगाईगी नगर कांग्रेस अध्यक्ष वीर बहादुर सिंह ने बताया कि 15 जून शिविर को लेकर कांग्रेस कार्यालय में महत्वपूर्ण बैठक नगर पालिका से संबंधित शहर में अनेकों समस्याओं व्याप्त है राशनकार्ड पानी लाईट प्रधानमंत्री आवास पट्टा सहित अन्य नगरपालिका से संबंधित समस्या आमजनों और वार्डों में व्याप्त है जैसे वार्डों में हफ्तों साफ सफाई न होना वार्ड में टिप्पर वाहन महिनों नहीं जाना गंदा बदबूदार पानी की सप्लाई होना सहित नगर पालिका संबंधित सैकड़ों समस्या है वहीं नगर कांग्रेस अध्यक्ष वीर बहादुर सिंह ने कहा कि राजस्व विभाग बिजली विभाग से संबंधित भी जनसमस्याएं आमजनों और वार्डों में व्याप्त है उन्होंने कहा कि इस बार नगर कांग्रेस 21 नम्बर वार्ड से जनसमस्याओं को लेकर शिविर का आयोजन करेंगी वही अन्य वार्डों में शिविर की शुरुआत होगी

देवी भागवत कथा का हुआ समापन

छिंदवाड़ा। श्री दादाजी दरबार के तत्वावधान में समस्त

ग्रामवासी- पौनारी तहसील- अमरवाड़ा जिला- छिंदवाड़ा में श्रीमद् देवी भागवत कथा का आयोजन किया दिन- सोमवार को किया गया धूमधाम से समापन जिसमें समस्त ग्रामवासी- पौनारी एवं क्षेत्रवासी एवं दूर-दूर से भक्तजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कोचिंग के लिए शिक्षकों से 15 जून तक आवेदन आमंत्रित

छिन्दवाड़ा। अनुसूचित जनजाति कार्य विभाग द्वारा जिला स्तर पर संचालित उत्कृष्ट बालक एवं कन्या छात्रावास छिन्दवाडा में 50-50 पृथक-पृथक रूप से संचालित है। इन छात्रावासों में कक्षा 09वीं से 12वीं तक नवीनीकरण छात्रों का प्रवेश हो चुका है एवं नवीन छात्रों के प्रवेश के लिये प्रक्रिया जारी है । सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग छिंदवाड़ा ने बताया कि उत्कृष्ट छात्रावासों के शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिये विषय विशेषज्ञ भौतिक शास्त्र, रसायन, जीव विज्ञान, अंग्रेजी, गणित एवं कम्प्यूटर शिक्षकों के कोचिंग के लिये आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं। उन्होंने बताया कि आवेदन पत्र सादे कागज में स्वयं की संपूर्ण जानकारी बायोडाटा के साथ उत्कृष्ट बालक छात्रावास के लिये अधीक्षक उत्कृष्ट बालक छात्रावास छिन्दवाडा एवं उत्कृष्ट कन्या छात्रावास के लिये अधीक्षिका उत्कृष्ट कन्या छात्रावास छिन्दवाडा में 15 जून तक आवेदन जमा किये जा सकते है। निर्धारित अवधि के उपरांत आवेदन स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

21 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

छिन्दवाड़ा। जिला आयुष अधिकारी डॉ.प्रियंका उइके की अध्यक्षता में गत दिवस जिला आयुष कार्यालय में आयुष विभाग की मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मध्यप्रदेश शासन आयुष विभाग द्वारा दिए गए निर्देशों के साथ समय पर औषधालय खुलने बंद करने, सभी अधिकारी/कर्मचारी को अपने गणवेश में रहने, सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिर में भरे जाने वाले 16 रजिस्टरों के संधारण व सी बैक फॉर्म को समय पर भरने के निर्देश दिये गये। बैठक में 21 जून 2025 को होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए पूर्व तैयारियां जैसे सार्वजनिक स्थानों पार्कों, खेल के मैदानों, स्कूलों में योग शिविर लगाने के लिये भी निर्देशित किया गया। देवारण्य योजना के अंतर्गत जिले में अश्वगंधा की खेती करने के लिए कृषकों को प्रेरित करने के लिए कहा गया। साथ ही लिवर को सुरक्षित रखने के उपाय एवं लिवर के खराब होने की पहचान एवं उससे होने वाली हानियों की जानकारी भी प्रदान की गई, जिससे लीवर को स्वस्थ रखा जा सके।

वाहन ने मारी टक्कर

अमरवाड़ा। थाना अंतर्गत ग्राम हथोड़ा की रहने वाली पूजा को बोलोरो वाहन क्रमांक एमपी 04 बी ए 9373 के चालक द्वारा वन विभाग के डिपो सकरवाड़ा रोड में टक्कर मार देने से वह गंभीर रूप से घायल हो गई उसे इलाज हेतु अस्पताल भेजा गया वाहन चालक के विरुद्ध बी एन एस की धारा 281,125 के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया।

अवैध देसी कच्ची शराब जप्त

अमरवाड़ा। ग्राम उमरिया निवासी दौलत के पास से सहायक उप निरीक्षक धर्मराज वाघमारे ने अवैध कच्ची महुआ की शराब जप्त कर आबकारी अधिनियम में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया

माइक्रो वन पेंच परियोजना के अधिकारी किसानों को कर रहे गुमराह

तारीख पे तारीख दे रहे ठेकेदार और विभाग के अधिकारी, किसानों ने चौरई में एसडीएम और छिंदवाड़ा एडीएम से मिलकर सौंपा ज्ञापन

छिंदवाड़ा। चौरई विकासखण्ड के अंतर्गत 12 गांव के किसानों को माईक्रो पेंच वन लिफ्ट इरीगेशन परियोजना के माध्यम से सिंचाई के लिए खेतों में पानी पहुंचना है जिसका काम समय पर पूरा नहीं किया जा रहा है। चौरई क्षेत्र के रामगढ़, जुरतरा, टूंडवाड़ा, मड़ई, फतेहपुर पिपरिया, जमुनिया सहित अन्य गांव के किसान लगातार शासन,प्रशासन का ज्ञापन के माध्यम से ध्यान आकर्षित करा रहे हैं, विभाग के अधिकारी एवं ठेकेदार किसानों को शीघ्र काम पूरा कराने का आश्वासन दे रहे हैं लेकिन समय पर काम पूरा नहीं हो रहा है। क्षेत्र के किसान मंगलवार को बड़ी संख्या में चौरई एसडीएम को ज्ञापन देने पहुंचे और उन्होने धरना शुरू कर दिया और मांग रखी कि हमें कलेक्टर से मिलवाया जाए

एसडीएम प्रभात मिश्रा ने अतिरिक्त कलेक्टर से चर्चा कर किसानों को मिलने के समय मांगा आखिर किसान छिंदवाड़ा पहुंचकर अतिरिक्त कलेक्टर से मिले और अपनी बात रखी। किसान संघर्ष समीति के अध्यक्ष शिवकुमार दुबे, मंगल बंजारा, गुरूप्रसाद सनोडिया, देवीप्रसाद बंजारा, अशोक पंचेश्वर, पूनाराम यादव सहित अन्य किसान प्रमुख रूप से उपस्थित थे। अतिरिक्त कलेक्टर ने किसानों के समक्ष विभाग के प्रभारी कार्यपालन यंत्री टेकाम एवं कम्पनी के लोगों को बुलाया और काम की गति बढ़ाने के निर्देश दिये कम्पनी के लोगों ने शीघ्र काम पूरा करने का आश्वासन दिया है। किसानों ने बताया कि पेज परियोजना माइक्रो लिफ्ट इरीगेशन प्लान बन पंप क्रमांक 3 अंतर्गत आने वाले किसानों को गुमराह किया जा रहा है। वर्ष 2019 यह परियोजना स्वीकृत हुई है लेकिन अभी तक काम पूरा नहीं हो सका। जिससे किसानों को सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल पा रहा है। आंदोलन के दौरान प्रशासन के अधिकारियों द्वारा आश्वासन दिया गया कि अधूरा काम जून 2024 में पूर्ण कर देंगे लेकिन काम पूरा नहीं हुआ। फिर जून 2025 में टेस्टिंग करने का आश्वासन दिया गया इसमें भी कम वक्त बचा है और ज्यादा काम बकाया है। किसानों ने कहा कि कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो उग्र आंदोलन की तैयारी करेंगे।

आबकारी विभाग की टीम ने ग्रामों के अवैध शराब के अड्डों पर कार्यवाही

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी श्री अजीत एक्का के मार्गदर्शन में जिले के आबकारी अमले द्वारा प्रातः के समय वृत्त प्रभारी कैलाशचंद्र चौहान के नेतृत्व में सर्वप्रथम ग्राम पुलपुलडोह में डैम एवं जंगल के किनारे एवं पानी के अन्दर प्लास्टिक की पन्नियों और प्लास्टिक की कैनन में भरकर छुपाकर रखे गए महुआ लाहन और झाड़ियों के भीतर से भी महुआ लाहन बरामद कर खोलकर विधिवत नष्ट किया गया। इसी स्थान पर चालू मिली भट्टियों को तोड़कर नष्ट किया गया। साथ ही मौके से बरामद महुआ निर्मित हाथ भट्टी मदिरा आबकारी द्वारा कब्जे में ली गई । इसके बाद ग्राम रंगीन खापा में जंगल के अंदर प्लास्टिक ड्रमों और पन्नियों में रखे महुआ लाहन को विधिवत नष्ट किया गया। इस कार्यवाही में कुल 08 प्रकरण दर्ज कर 4200 किलोग्राम महुआ लाहन नष्ट किया गया तथा 40 बल्क लीटर हाथ भट्टी मदिरा आबकारी द्वारा कब्जे में ली गई। इस कार्यवाही में सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री कैलाशचंद्र चौहान, सुश्री भारती गोंड, आबकारी उपनिरीक्षक अर्चना घोरमारे, आकाश मेश्राम, जीतसिंह धुर्वे, श्री अनिकेत पटेल सहित आबकारी अमला उपस्थित था।

अवैध शराब की गई जब्त

ग्राम खकरा चौरई निवासी पार्वती नामक महिला की पुलिस को शिकायत प्राप्त हुई थी वह अवैध रूप से कच्ची महुआ की शराब बेचने का धंधा करती है मुखबिर की खबर पर पार्वती के पास से पुलिस ने 10 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची महुआ की शराब जप्त कर आबकारी एक्ट में प्रकरण पंजीबद्ध किया है।

रोटरी इंटरनेशनल की डिस्ट्रिक लर्निंग सेमिनार असेंबली में शामिल हुई रोटरी टीम

छिंदवाड़ा। रोटरी इंटरनेशनल मंडल 3040की वर्ष 2025-26 की डिस्ट्रिक लर्निंग सेमिनार एवम डिस्ट्रिक लर्निंग असेंबली का आयोजन गत दिवस भोपाल स्थित होटल मेपल में आयोजित किया गया था।रोटरी क्लब ऑफ छिंदवाड़ा से वर्ष 25-26के प्रेसिडेंट रोटे विनोद तिवारी,सेक्रेटरी रोटे निलेश गुप्ता,कोषाध्यक्ष रोटे रूपल अग्रवाल एवम रोटरी टीम के पदाधिकारी रोटे अमित मक्कड़ ने जिले का प्रतिनिधित्व किया।कार्यक्रम में 105 रोटरी क्लब के 600 से अधिक रोटेरियन ने भाग लिया। इस अवसर पर निर्वाचित मंडलाध्यक्ष रोटे सुशील मल्होत्रा ने 25-26 का कार्यभार ग्रहण किया।छिंदवाड़ा से रोटरी क्लब अध्यक्ष विनोद तिवारी ने कहा की वर्ष 25-26में रोटरी क्लब सभी वरिष्ठ रोटेरियन साथियों के कुशल मार्गदर्शन में एवम सभी रोटेरियन साथियों के साथ मिल कर रोटरी क्लब के उद्देश्यों के अनुरूप टीम भावना से गत वर्षो में किए कार्यों को आगे बढ़ाते हुए नए स्थायी प्रोजेक्ट एवम शिक्षा स्वास्थ वा जनहिताय कार्य, बालिकाओ, दिव्यांगजनों, जरूरत मंद लोगो की सहायता हेतु सेवा भावी कार्य,युवाओं के लिए रायला,रोटरी कॉर्निवाल सहित फेलोशिप वा रोटरी क्लब के उद्देश्यों के अनुरूप सेवा भावी कार्यों में अग्रणी कार्य करने का संकल्प डिस्ट्रिक लार्निंग असेंबली में दोहराया।साथ ही ग्लोबल ग्रांड ,सीएसआर फंड एवम अन्य डोनेशन से कुछ नए स्थाई कार्यों की शुरुआत करने की कार्ययोजना प्रस्तुत की।कार्यक्रम में असेंबली को पूर्व आरआई डायरेक्टर राजू सुब्रमण्यम एवं निर्वाचित डायेक्टर केपी नागेश ने भी मार्गदर्शन दिया।रोटरी क्लब शाहपुरा भोपाल होस्ट क्लब ने अपनी भूमिका पीडीपी जिनेन्द्र जैन एवम अध्यक्ष रश्मि जैन ने बखूबी पूरी टीम के साथ निभाई जिसकी सभी ने प्रशंसा की।कार्यक्रम का संचालन पूर्व मंडलाध्यक्ष गजेंद्र नारंग ने किया एवम आभार निर्वाचित मंडल अध्यक्ष मुकेश साहू ने किया। छिंदवाड़ा रोटरी क्लब की टीम ने वर्ष 25-26के इंस्टालेशन सेरेमनी के लिए गेस्ट को सादर अनुरोध कर आमंत्रित किया गया। इंदौर के चकित्सक भरत रावत ने लाइफ स्टाइल के बारे में अच्छा जीवन जीने के टिप्स दिए।

बम्होरी वाले दादाजी ने नौ कुंड के आसपास की तपस्या

अमरवाड़ा। ग्राम बम्होरी में दादा दरबार उमडा भक्तों का जन सैलाब भंडारे का आयोजन जानकारी के अनुसार नौतपा के दौरान ग्राम बम्होरी के दादा रमेश जी के द्वारा 9 दिनों तक ना कुंड के आसपास तप किया गया है और क्षेत्र, जिला प्रदेश और देश की सुख शांति समृद्धि खुशहाली की कामना की गई समापन के अवसर पर यहां पर विविध धार्मिक कार्यक्रम हवन पूजन भंडारे का आयोजन हुआ और तपस्या पूर्ण हुई दादाजी ने बताया कि यह तपस्या प्रति वर्ष नौतपा के दौरान की जाती है इस मौके पर बड़ी संख्या में आसपास के क्षेत्र के लोग भी यहां पर पहुंचते हैं और दादाजी का आशीर्वाद लेते हैं इस मौके पर अमरवाड़ा नगर मंडल अध्यक्ष सचिन गोल्डी नेमा, और अमित नेमा पवन तिवारी भी पहुंचे हैं और दादाजी का आशीर्वाद लिया है।

दो नाबालिग हुई गायब अपहरण का अंदेशा

अमरवाड़ा। थाना अंतर्गत ग्राम पिपरिया भारती की रहने वाली नाबालिग बालिका का गायब हो जाना अपहरण का अंदेशा परिवार जनों द्वारा व्यक्त किया जा रहा है यह बालिका 21 मई अपने घर से बिना बताए कहीं चली गई है इसी प्रकार ग्राम भजिया की रहने वाली 16 वर्षीय नाबालिक बालिका 22 मई से अपने घर से अभी का कर आ रही हूं गई और वापस नहीं आई गांव में रिश्तेदारों में तलाशा गया लेकिन नहीं मिली परिजनों के द्वारा भी इस बालिका का कथित युवक द्वारा अपहरण करने का अंदेशा व्यक्त किया गया है दोनों ही प्रकरण में पुलिस द्वारा अपहरण का मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है

तीन दिन सांसद ने की 72 किलो मीटर पदयात्रा

छिन्दवाड़ा। पदयात्रा के तीसरे दिन नौतपा की तपती दोपहर में मेरा गांव मेरा सांसद के नारे को धरातल पर साकार करने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की प्रदेश सरकार द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं की ग्रामीणों को जानकारी देने के लिए सांसद बंटी विवेक साहू गांवों में पहुंचे। गांव-गांव में दूरस्थ अंचल में निवासरत हर पात्र व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचे, इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सांसद साहू पदयात्रा पर निकले थे। सांसद साहू ने तीन दिवसीय पदयात्रा के दौरान गांवों और मंजरे टोलों में पहुंचकर हर ग्रामीण से संपर्क कर जमीनी हकीकत टटोलने का प्रयास किया। जनजाति समाज के लिए गौरव का प्रतीक पीले गमछे को अपने सिर पर बांधकर उन्होंने अपनी तीन दिवसीय पदयात्रा ग्राम ताल खमरा में पूर्ण कीं। पदयात्रा के समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सांसद श्री साहू ने जनजातिय समाज के धर्मगुरूओं का शॉल श्रीफल देकर उनका सम्मान किया। विदित हो कि सांसद ने पदयात्रा के दौरान पहले दिन 28 कि.मी., दूसरे दिन 29 कि.मी. एवं अंतिम दिन 15 कि.मी. की पदयात्रा पूर्ण की। इस दौरान उन्होंने गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी।

सारनी शराब ठेकेदार प्रिंट मूल्य से ज्यादा में बेंच रहे दुकानों में शराब

नियम को ताक पर रखकर शराब दुकान में रेट लिस्ट नहीं लगाते

सांध्य प्रकाश संवाददाता सारनी। नगर पालिका परिषद सारनी क्षेत्र में बागडोना,कालिमाई,पाथाखेड़ा,सारनी सभी जगह पर शासकीय मदिरा की दुकानों पर म

प्रिंट मूल्य से अधिक राशि में शराब बेंच रहे है।शासन के शख्त आदेश के बाद भी ठेकेदार अपने कर्मचारी को खुल्ली छूट देकर आदेश की अवहेलना कर रहे है। और ग्राहक द्वारा विरोध करने पर धमकाया जाता है ।जिला अधिकारी शासन के आदेश का पालन करवाने में क्यों हो रहे नाकाम?जब से नए टेंडर की प्रक्रिया शुरू हुई है तब से लगातार सारनी नगर क्षेत्र में सभी शासकीय मदिरा की दुकान पर मदिरा प्रेमियों के जेब से हजारों रुपए प्रतिदिन के ज्यादा वसूले जा रहे है। जिसका लगभग लाखो रुपए चार माह में लोगो से लूट चुके हैं ठेकेदार।

क्या जिला अधिकारी के बस में नहीं नियम का पालन करवाना? सूत्रों से जानकारी मिली है। कि पिछले दिनों में शराब ठेकदार के कर्मचारियों ने एक शख्स को घोड़ाडोंगरी मदिरा दुकान मे प्रिंट मूल्य से ज्यादा पैसे की मांग करने पर उस ग्राहक के साथ अभद्रता पूर्वक व्यवहार किया उसे गाड़ी में बिठाकर बागडोना लाकर मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया। और उसे बंदी बनाकर अपहरण करने जैसी घटना को अंजाम दिया गया। ठेकेदार के कर्मचारियों की गुंडागर्दी देखी जा रही है। सारनी नगर क्षेत्र में सभी छः दुकानों से मदिरा खरीदते हुए कई लोग कर्मचारियों से ज्यादा पैसे बताने पर कर्मचारी उन्हें डांट फटकार कर अपमानित भी करते दिखे कहते है। कि लेना है। जो करना कर लो कहकर मदिरा सेवन करने वाले प्रेमियों को भगा दिया जाता देखा गया है। शासन को ऐसे ठेकेदार द्वारा प्रिंट रेट से ज्यादा वसूला मूल्य का जुर्माना के साथ ठेकेदार से वसूलना चाहिए। बल्कि शासन को ठेका निरस्त करने की कार्यवाही कलेक्टर को करनी चाहिए। आबकारी विभाग के अधिकारी से दूरभाष पर चर्चा करने के लिए फोन किया मगर कोई जवाब नहीं दिया।

इनका कहना है

आबकारी विभाग के अधिकारी से बात करके जल्द ही शिकायत का निराकरण करवाता हूं।

कलेक्टर नरेन्द्र सूर्यवंशी

जय आदिवासी युवा शक्ति ने घोडाडोंगरी तहसीलदार को शराब ठेकेदार के खिलाफ दिया ज्ञपन

सांध्य प्रकाश घोडाडोंगरी। जय आदिवासी युवा शक्ति संगठन के जिला अध्यक्ष संदीप धुर्वे ,तिरु दीपक आहके जयस ब्लाक अध्यक्ष एवं रितिक परते , हीरालाल आलावा ने कार्यकर्ताओ के साथ रैली निकालकर घोड़ाडोंगरी महिमा मिश्र को जनहित की मांगों को लेकर महामहिम राष्ट्रपति, जिला कलेक्टर एस पी , और राज्यपाल के नाम ज्ञापन दिया है। जिसमे बताया है। कि शराब ठेकेदार अपने आदमी के जरिये गांव गाँव जाकर शराब बिकवा रहे है। बल्कि शराब दुकान में मनमाने दाम प्रिंट रेट से अधिक भाव में शराब बेच रहे है। नीरेश उइके 30 मई को घोडा डोंगरी से पाथा खेडा ले जाकर बंद कमरे बुरी तरह मारपीट की गई। शराब ठेकेदार के आदमी आदिवासियों पर अत्याचार और शोषण करते है। बल्कि शराब ठेकेदार अपने आदमियों को भेजकर समाज द्वारा रोजी रोटी कमाने के लिए चला रहे होटल ढाबा को बंद करने के लिये गुंडा गर्दी करते । दबाव बनाते है। जिस पर प्रशासन रोक लगाए। युवा शक्ति संघठन ने चेतावनी दी है । दो दिवस के भीतर कार्यवाही नहीं की जाती तो आदिवासी संघठन बड़ा विरोध प्रदर्शन और आंदोलन करने पर बाध्य होगा।

आईटीआई में विभिन्न व्यवसायों में प्रवेश के लिये रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 16 जून

छिन्दवाड़ा। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के नोडल प्राचार्य श्री सी.बी.उईके ने बताया कि अगस्त 2025 में जिले में संचालित शासकीय आईटीआई में विभिन्न व्यवसायों में प्रवेश होना है। संस्था में प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थी आईटीआई प्रवेश सत्र 2025 में प्रवेश लेने के लिए विभागीय डीएसडी पोर्टल या वेबसाइट http://mpiticounseling.co.in पर 31 मई 2025 तक रजिस्ट्रेशन एवं रजिस्ट्रेशन में त्रुटि सुधार करने की निर्धारित अंतिम तिथि नियत थी। मध्यप्रदेश राज्य कौशल विकास एवं रोजगार निर्माण बोर्ड भोपाल के 30 मई 2025 के पत्रानुसार प्रवेश सत्र 2025 के समय-सारिणी में तिथि बढ़ाकर अब 16 जून 2025 किया गया है। प्रवेश से संबंधित सभी जानकारी विवरणिका पोर्टल पर उपलब्ध है। अब आवेदक 16 जून 2025 तक इच्छित संस्थाओं तथा व्यवसायों की प्राथमिकता क्रम का चयन कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि जिले में शासकीय आईटीआई छिंदवाड़ा, शासकीय महिला आईटीआई छिंदवाड़ा, शासकीय आदिवासी महिला आईटीआई छिंदवाड़ा, शासकीय आईटीआई जुन्नारदेव, शासकीय आईटीआई हर्रई, शासकीय आईटीआई बिछुआ, शासकीय आईटीआई अमरवाड़ा एवं शासकीय आईटीआई तामिया सहित कुल 08 शासकीय आईटीआई संचालित है। सत्र 2025 में प्रवेश के लिये जिले की समस्त संचालित शासकीय आईटीआई में सीटों की संख्या 1616 और 21 व्यवसायों में प्रवेश होना है। प्रवेश लेने वाले इच्छुक अभ्यर्थी नियत तिथि में रजिस्ट्रशन व च्वॉईस फीलिंग कर सकते है।

तहखाने से निकला ज्ञान का खजाना... 25 साल से तालों में कैद था इतिहास, बनेगी हेरिटेज लाइब्रेरी

भोपाल। जब किसी प्रशासक की नजर वर्तमान के साथ अतीत और भविष्य को एक साथ देखने की होती है तो धरोहरें फिर सांस लेने लगती हैं। मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ में एक ऐसा ही काम हुआ है। यह कहानी है आईएएस और टीकमगढ़ कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय के विजन की। उनकी कोशिशों से वह गुप्त और बिसरा दी गई ऐतिहासिक लाइब्रेरी फिर जिंदा हो उठी है, जिसमें 30 हजार से ज्यादा दुर्लभ ग्रंथ, हस्तलिखित पांडुलिपियां और ऐतिहासिक दस्तावेज, किताबें बंद थे।

यह दास्तां किसी साधारण इमारत की नहीं

यह दास्तां किसी साधारण इमारत की नहीं, बल्कि टीकमगढ़ की प्राचीन ताल कोठी है, जिसे ओरछा रियासत के राजा प्रताप सिंह ने बनवाया था। झील के किनारे बनी इस कोठी में ओरछा स्टेट लाइब्रेरी की स्थापना की गई थी। यह लाइब्रेरी एक समय साहित्य और विचारों का केंद्र थी। फिर आज से 25 बरस पहले हुए एक विवाद के बाद यहां ताले लग गए। यह जगह हाशिये पर चली गई। हालांकि ताल कोठी में आज पीजी कॉलेज का प्रशासनिक भवन चलता है, पर वहां के स्टाफ को लाइब्रेरी की जानकारी ही नहीं थी। कुल मिलाकर कहें तो जो किताबें और ग्रंथ शोधकर्ताओं को दिशा दे सकते थे, जो दस्तावेज वैचारिक व शैक्षणिक निर्माण की नींव थे, वे सब दबकर सिसक रहे थे।

कभी हजारों किताबें और पांडुलिपियां सजी थीं: यह बात शुरू होती है ओरछा रियासत की गौरवशाली धरोहर से। सन् 1932 में ताल कोठी में ओरछा स्टेट लाइब्रेरी बनाई गई थी। राजा प्रताप सिंह द्वारा बनवाई गई इस भव्य कोठी में कभी हजारों किताबें और पांडुलिपियां सजी थीं। 1956 में मध्यप्रदेश के गठन के बाद यह कोठी शिक्षा के लिए समर्पित हो गई। यहां टीकमगढ़ का पहला पीजी कॉलेज खुला। फिर सन् 2000 में एक विवाद ने इस लाइब्रेरी को तालों में कैद कर दिया, तब से यह खजाना अंधेरे में खो गया।

बचपन की सुनी कहानियों में हकीकत की तलाश : वक्त ने करवट बदली। आईएएस विवेक श्रोत्रिय टीकमगढ़ कलेक्टर बने। दरअसल, बचपन में टीकमगढ़ की यात्राओं के दौरान उन्होंने पांच मंजिला ताल कोठी के तहखानों और लाइब्रेरी की कहानियां सुनी थीं। कलेक्टर बनने के बाद उन्होंने इस खजाने को फिर जीवित करने का बीड़ा उठाया। आईएएस श्रोत्रिय ने बताया, यह लाइब्रेरी पांच मंजिला बिल्डिंग के बेस में है। यानी वॉटर लेवल से छह फीट नीचे। पानी जब बढ़ता है तो छह फीट ऊपर तक पानी रहता है। मैंने कॉलेज प्रबंधन से लाइब्रेरी के बारे में पूछा तो उन्हें इसकी जानकारी ही नहीं थी। इसके बाद मैं अधिकारियों के साथ ताल कोठी पहुंचा और ताले खुलवाए। सामने ऐसा नजारा था, जिसने सभी को स्तब्ध कर दिया। फिर तहखाने में पुरातत्व विभाग और विशेषज्ञों की टीम ने पुराना लकड़ी का दरवाजा खोला। इसके पीछे किताबों से भरी दीवारें, लकड़ी की अलमारियों में सजी सैकड़ों साल पुरानी पांडुलिपियां और दुर्लभ ग्रंथ थे। मुझे संतोष इस बात का है कि ज्यादातर किताबें हमें सुरक्षित मिलीं। इनमें करीब 30 हजार किताबें हैं, इनमें कई पुरानी किताबें हैं और कई नई। हमने पूरे परिसर की सफाई करवाई और उस पर काम शुरू किया।

खजाने में यह सबकुछ मिला

हस्तलिखित रामचरितमानस (200 वर्ष पुरानी)-प्रत्येक दोहे के साथ चित्रित बॉर्डर, अप्रतिम सौंदर्य का प्रतीक।गांधीजी के चित्र (1944)- फेलिक्स टोपोल्स्की द्वारा गांधीजी के साथ मुलाकात पर आधारित दुर्लभ चित्र संस्करण।अनंत विरदांदम चंपू (1576)- संस्कृत में कवि कमार्पण द्वारा रचित और रियासत के संरक्षण में लिखा गया काव्य।फारसी और ब्रज भाषा के ग्रंथ- वैद्यकीय ज्ञान, कानून निर्माण, ज्योतिष और प्रशासनिक प्रक्रिया पर आधारित। हस्तलिखित पंचांग और ज्योतिषीय गणनाएं- जो वैदिक काल के खगोलीय ज्ञान को प्रामाणिकता से प्रस्तुत करती हैं।

दस्तावेजों का डिजिटलीकरण और संरक्षण होगा

इस खोज ने पूरे प्रदेश का ध्यान अपनी ओर खींचा है। कलेक्टर श्रोत्रिय ने इस लाइब्रेरी को जनता और शोधकर्ताओं के लिए खोलने का प्रस्ताव रखा है। जिला प्रशासन ने अभिलेखागार विशेषज्ञों की टीम नियुक्त की है, जो इन दस्तावेजों का डिजिटलीकरण और संरक्षण करेगी। संस्कृति मंत्रालय और पुरातत्व विभाग ने इसे सबसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक संग्रहों में से एक माना है। इसी के साथ जिला प्रशासन ने इसे सार्वजनिक शोध केंद्र के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव भी भेजा है।

अब यह सब करने की योजना

डिजिटलीकरण- हर किताब, दस्तावेज और पांडुलिपि को डिजिटल रूप में संरक्षित करने का प्लान है।

शोधार्थियों के लिए खोली जाएगी लाइब्रेरी- देशभर के शोधकर्ताओं को यहां अध्ययन की सुविधा मिलेगी।

हेरिटेज स्पेस का विकास- लाइब्रेरी को टूरिज्म व एजुकेशन हब के रूप में विकसित करने की योजना।

डीपीआर निर्माण जारी- ड्रोना कंसल्टेंसी विशेषज्ञों के साथ मिलकर लाइब्रेरी के पुनरुद्धार की विस्तृत योजना तैयार कर रही है।

देश की सबसे सुंदर लाइब्रेरी बनाने की कोशिश

कलेक्टर श्रोत्रिय ने बताया, हम इतिहासकारों और विशेषज्ञों से किताबों का परीक्षण करा रहे हैं। अच्छी किताबों का संग्रहण किया जा रहा है, जो चूहों ने नष्ट कर दी हैं या देखभाल के अभाव में जिन्हें दीमक चट कर गई, उन्हें अलग कराया है। अब हमारी कोशिश इसे देश की सबसे सुंदर हेरिटेज लाइब्रेरी बनाने की है। इसे लेकर हम तमाम काम कर रहे हैं। हमारे पास सुंदर भवन है और साहित्य का भंडार भी है। कोशिश है कि ताल कोठी के पांचों माले संवरकर उम्दा लाइब्रेरी बन जाए और साहित्य प्रेमी व आमजन इसका लाभ उठा सकें।

भारतीय संस्कृति में नारी को सदा ही शक्ति , विद्या और सृजन का प्रतीक माना गया है। भारतीय परंपरा का मूल 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवताः' की अवधारणा है। हमारी प्राचीन सभ्यता में गार्गी, मैत्रेयी से रानी चैनम्मा, पुण्यश्लोका रानी अहिल्याबाई होल्कर और वीरांगना लक्ष्मीबाई जैसी नारियों ने न केवल समाज को दिशा दी, बल्कि अपने समय में नेतृत्व का भी उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। मध्यप्रदेश में महिला सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़कर काम किया जा रहा है। राज्य सरकार महिलाओं के आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएँ चला रही है। इससे वे आत्मनिर्भर बन रही हैं। लाड़ली लक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना और महिलाओं के लिए स्वरोजगार योजनाएँ प्रदेश की महिलाओं को सशक्त बना रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के उत्थान के लिए अनेक योजनाएँ शुरू की गईं। इनसे समाज में क्रांतिकारी बदलाव आया। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, उज्ज्वला योजना. मातृत्व वंदना योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, महिला हेल्पलाइन और स्टैंड-अप इंडिया जैसी योजनाएँ महिलाओं के जीवन को बेहतर बना रही हैं।

सशक्त नारी, सशक्त समाज, सशक्त मध्यप्रदेश

चुनौती कितनी भी बड़ी हो, भारत की बेटियां उस पर विजय पा सकती हैं. नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन हो या फिर सीमा पार का आतंक, आज हमारी बेटियां भारत की सुरक्षा की ढाल बन रही हैं. मैं आज देवी अहिल्या की इस पवित्र भूमि से देश की नारी शक्ति को फिर से सैल्यूट करता हूं. आज का भारत भी विकास और विरासत दोनों को साथ लेकर चल रहा है।

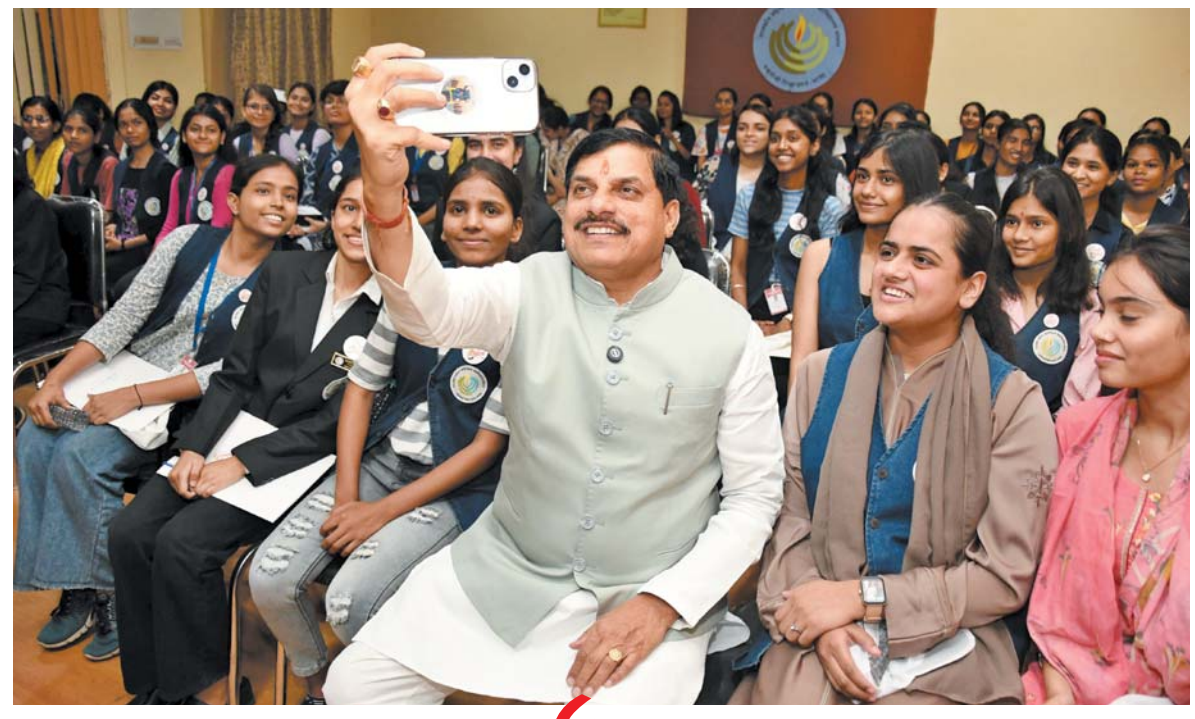

किसी भी समाज का वास्तविक विकास तभी संभव है जब उस समाज की महिलाओं को सशक्त किया जाए और उन्हें समान अधिकार मिले। जब तक महिलाएं समाज में बराबरी का दर्जा प्राप्त नहीं करतीं, तब तक वह समाज अपने पूर्ण रूप में विकसित नहीं हो सकता।

छोटे कदम, बड़ी उड़ान लाड़ली लक्ष्मी योजना

मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत वर्ष 2024-25 में 2 लाख 73 हजार 605 बालिकाओं का पंजीकरण हुआ और लगभग 223 करोड़ रूपये से अधिक की छात्रवृत्ति यूनि-पे के जरिए वितरित की गई। अब तक कुल 50 लाख 41 हजार 810 बेटियां इस योजना का हिस्सा हैं।

आत्म-निर्भरता की राह पर महिला उद्यमिता

मुख्यमंत्री उद्यम शक्ति योजना ने हजारों महिला समूहों को कम ब्याज पर ऋण दिलाकर उनके छोटे-छोटे व्यवसायों को सहारा दिया है। अब महिलाएं न सिर्फ घर चला रही हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे रही हैं। अब तक 30 हजार 264 महिला समूहों और 12 हजार 685 महिला उद्यमियों को 2 प्रतिशत ब्याज अनुदान के रूप में 648.67 लाख की राशि वितरित की जा चुकी है।

एक राज्य, एक संकल्प - नारी शक्ति को देना सम्मान

राज्य सरकार द्वारा नारी शक्ति मिशन के तहत जिला, परियोजना और ग्राम स्तर पर 100 दिवसीय जागरूकता 'हम होंगे कामयाब अभियान' चलाया गया। इसमें प्रदेश में जेंडर संवादों, घरेलू हिंसा, बाल विवाह, सायबर सुरक्षा, कार्यस्थल पर उत्पीड़न और डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों की महिलाओं को न केवल जानकारी दी गई, बल्कि उन्हें अपने अधिकारों के लिए खड़ा होना भी सिखाया गया। निश्चित ही सरकार के इन प्रयासों से मध्यप्रदेश में महिलाएँ स्वाबंलबी हो रही है और सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर रही है।

आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत कदम

एक समय था जब महिलाएं सुरक्षा, शिक्षा और रोजगार को लेकर असमंजस में थीं, लेकिन आज मध्यप्रदेश में हालात बदल रहे हैं। राज्य सरकार महिलाओं को केवल सहयोग नहीं, बल्कि सम्मान और स्वावलंबन की नई पहचान देने की दिशा में काम कर रही है। आज मध्यप्रदेश सिर्फ योजनाएं नहीं बना रहा, वह एक ऐसी सोच का निर्माण कर रहा है जहां महिला होना कमजोरी नहीं, शक्ति का पर्याय है। यह बदलाव धीरे-धीरे हर घर, हर गांव और हर शहर में देखा जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश की महिलाओं के सर्वांगीण विकास और सशक्तिकरण के लिये निरंतर प्रयासरत होकर सक्रियता पूर्वक कार्य कर रहे है। उनका कहना है कि हम नारी सशक्तिकरण को केवल योजना के रूप में नहीं जन आंदोलन के रूप में देख रहे है। नारी शक्ति मिशन हमारे इस दृष्टिकोण का विस्तार है इसमें हर जिले से महिलाओं को जोड़ा जा रहा है।

कामकाजी महिलाओं को आवास की सौगात

प्रदेश में इंदौर और भोपाल में 250 बेड क्षमता के 3 वर्किंग वुमन हॉस्टल संचालित है। इसके अतिरिक्त 'स्कीम फॉर स्पेशल असिस्टेंट टू स्टेट्स फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट' योजना में वर्ष 2024-25 में 5412 बिस्तरीय 8 नये हॉस्टलों को मंजूरी दी गई है। अब घर से दूर काम करने वाली महिलाओं को सुरक्षित और सुविधाजनक आवास मिलेगा।

जब ज़िंदगी मुश्किल हो, तब साथ देता है वन स्टॉप सेंटर

घरेलू हिंसा, शोषण या किसी भी संकट में फंसी महिलाओं के लिए वन स्टॉप सेंटर उम्मीद की किरण बनकर उभरे हैं। प्रदेश में 57 वन स्टॉप सेंटर पहले से ही संचालित हैं। अब तक कुल एक लाख 27 हजार 94 संकटग्रस्त महिलाओं को इन केन्द्रों से लाभ मिल चुका है।

बहनों के हक की कमाईः सीधे उनके हाथ में

लाड़ली बहना योजना के तहत हर महीने 1.27 करोड़ बहनों के खाते में 1551.86 करोड़ रूपये की आर्थिक सहायता उनके खातों में पहुंच रही है। न केवल पैसा, बल्कि डिजिटल साक्षरता भी दी जा रही है ताकि बहनें सिर्फ उपभोक्ता नहीं, डिजिटल युग की सहभागी बनें।

कठिन वक्त में 'शक्ति-सदन' बन रहा सहारा

मिशन शक्ति
नारी सुरक्षा
नारी सम्मान
नारी स्वावलंबन

ऐसी महिलाएं और बच्चियां जो बेहद कठिन हालात में हैं, उनके लिए 13 जिलों में 14 शक्ति सदन संचालित किये जा रहे हैं, जहां उन्हें सुरक्षित अस्थायी आश्रय मिलता है। वर्ष 2024-25 में एक हजार 824 महिलाएं और 461 बच्चे लाभान्वित हुए है। आगामी समय में सभी 10 संभागीय मुख्यालयों में शक्ति सदन स्थापित किये जायेगें।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में विगत वर्षों की तरह ही इस वर्ष भी मध्यप्रदेश द्वारा शत प्रतिशत पात्र हितग्राहियों को आर्थिक सहायता प्रदाय की गई। वर्ष 2024-25 में लगभग 6 लाख 30 हजार 929 हितग्राही महिला पंजीकृत किये गये।

एक कॉल, और मदद हाजिर

महिला हेल्पलाइन 181 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 को अब 112 आपात सेवा से जोड़ा गया है। यानी अब कोई भी महिला मुसीबत में हो तो सिर्फ एक कॉल से पुलिस, काउंसलिंग, आश्रय और कानूनी मदद सब एक साथ मिल सकती है।

सशक्त वाहिनी से बदलाव- 156 को मिली नौकरी

'सशक्त वाहिनी' के तहत हजारों बालिकाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और आत्म रक्षा प्रशिक्षण मिला है। इसके तहत 11 हजार से अधिक बालिकाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये शैक्षणिक एवं शारीरिक प्रशिक्षण दिया गया।

इंदौर मेट्रो स्टेशनों के नाम वीरांगनाओं पर रखें गए

देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के खास मौके पर इंदौर में लोक परिवहन की नई इबारत लिखी गई। इंदौरवासी गौरवान्वित हैं और फूले नहीं समा रहे, यह हो भी क्यों न जो आज प्रदेश की पहली मेट्रो इंदौर में चलने लगी हैं।

मेट्रोपालिटन अथॉरिटी का गठन होने में भले ही समय है, लेकिन आज से शहर में शुरू हो रही मेट्रो से इंदौर शहर को 'मेट्रो' सिटी के रूप में पहचान मिल जाएगी। सुपर कॉरिडोर पर मेट्रो निर्माण के दौरान जो गड्ढे व खराब सड़क जनता को कुछ समय के लिए तकलीफ दे रही थी।

आज जब उस पर बने ऊंचे पिलर पर मेट्रो दुरुतगति से दौड़ती है तो शहरवासी न सिर्फ गौरवान्वित हो रहे हैं बल्कि अपने विकसित शहर की बदलती तस्वीर को देख गर्व से कह रहे हैं कि देवी अहिल्या का इंदौर शहर अब मेट्रो सिटी बन गया है।

मेट्रो स्टेशन के नए नामकरण हुए

गांधी नगर स्टेशन
देवी अहिल्या बाई होलकर स्टेशन

सुपर कॉरिडोर - 6
लक्ष्मीबाई स्टेशन

सुपर कॉरिडोर - 5
अवंतीबाई स्टेशन

सुपर कॉरिडोर - 4
दुर्गावती स्टेशन

सुपर कॉरिडोर - 3
झलकारी बाई स्टेशन

सुपर कॉरिडोर - 2
ऑपरेशन सिंदूर स्टेशन

ग्रामीण महिलाओं के समृद्धि की ओर बढ़ते कदम

प्रदेश सरकार का देवी अहिल्याबाई नारी सशक्तिकरण मिशन महिलाओं के आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक और राजनैतिक विकास को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उन्हें सम्मान और सुरक्षा प्रदान करने के लिए समर्पित है। सरकार ने महिलाओं के समग्र विकास को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता में रखा है। इस मिशन के तहत, महिलाओं को उद्यमिता, कौशल विकास, शिक्षा और रोजगार के अधिक अवसर दिये जा रहे हैं। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एसआरएलएम) ने ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मिशन के अंतर्गत संचालित योजनाओं का प्रभाव ग्रामीण परिवारों के जीवन में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। मध्यप्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत गरीब परिवार के लगभग 62 लाख सदस्यों को, लगभग 5 लाख स्व-सहायता समूहों से जोडा गया है। इनमें से लगभग 15 लाख परिवारों की सालाना आय न्यूनतम 1 लाख से अधिक अथवा करीब 10-12 हजार रुपये महीने तक पहुंची है। यह आंकडे मध्यप्रदेश में आर्थिक उन्नयन के प्रयासों की सफलता को दर्शाते हैं।

समूहों के माध्यम से छोटे-छोटे व्यवसायों की शुरुआत

इस मिशन के तहत महिलाओं को स्व सहायता समूह बनाकर कई प्रकार के व्यवसायों की शुरुआत करने का अवसर मिला। इन व्यवसायों में स्कूली ड्रेस सिलाई, पोषण आहार का संचालन, टोल टैक्स बैरियर प्रबंधन, राशन की दुकानों का संचालन, जल प्रबंधन, पंचायतों में कर संग्रहण और सड़कों के रख-रखाव जैसी गतिविधियाँ शामिल हैं। इससे महिला सशक्तिकरण के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली।

नवीनतम तकनीकी और उद्योग आधारित आजीविका अवसर

स्वयं सहायता समूहों को स्थायी व्यवसाय और आजीविका के उद्देश्य से नमो ड्रोन दीदी योजना प्रारम्भ की गयी। यह योजना महिला स्वयं सहायता समूहों को कृषि प्रयोजनों के लिए किसानों को ड्रोन किराए पर देने में सक्षम बनाती है नैनो यूरिया और नैनो डीएपी जैसे नवीन तरल उर्वरकों के पत्तों पर छिड़काव के लिए ड्रोन का उपयोग से कृषि में उन्नत तकनीक की शुरुआत करती है।

कृषि और पशुपालन में नई दिशा

कृषि, पशुपालन, दुग्ध उत्पादनतथा गैर वानकी लघु वनोपज संग्रहणके क्षेत्र में भी आजीविका मिशन द्वारा बडे पैमाने पर समूह सदस्यों को संगठित कर प्रोड्यूसर कंपनियों से जोड कर लाभान्वित किया गया है। प्रदेश में गठित 135 प्रोड्यूसर कंपनियों के माध्यम से कृषि, कुक्कुट पालन, पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, लघु वनोपज आदि के क्षेत्र में नई क्रांति लाने में कामयावी मिली है। मध्यप्रदेश में आजीविका मिशन द्वारा 2,84,000 परिवारों को कृषि और पशुपालन आधारित आजीविका गतिविधियों से जोड़ा गया है।

दीदी कैफे

केन्द्र सरकार के सौ दिनों में लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य मिलने के बाद मध्यप्रदेश में 96 हजार 240 बहनें लखपति दीदी बन गईं। इनको मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की ओर से वित्तीय सहायता, बाज़ार सहायता एवं तकनीकी सहायता दी गई है। इनके स्व-सहायता समूहों के उत्पादों की पहुंच बड़े बाजारों तक बनाने के लिये डिजीटल प्लेटफार्म पर लाकर ऑनलाईन मार्केटिंग की जा रही है। प्रदेश में लगभग 46,000 परिवारों को गैर कृषि आधारित लघु उद्यम गतिविधियों से जोड़ा गया है और 20 नए दीदी कैफे की शुरुआत की गई है। इन कैफे के माध्यम से महिलाएं अपनी आजीविका चला रही हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में नई रोजगार के अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। यह गर्व का विषय है कि 25 अगस्त 2024 को जलगांव (महाराष्ट्र) में हुए लखपति दीदी सम्मेलन मे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुना जिले की लखपति दीदी श्रीमती गंगा अहिरवार को सम्मानित किया गया।

D-13003/25